समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• सितंबर २०२३ • वर्ष ७४ • अंक ९

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट

२६ सितंबर २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतिनिधि मंडल ने नई दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, निवर्तमान महामंत्री श्री संजय हरलालका, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया।

इस अंक में

संपादकीय

बरखा बहार

आपणी बात

सम्मेलन का बढ़ता प्रभाव

रपट

राष्ट्रपति से सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

वार्षिक साधारण सभा की बैठक

स्वास्थ्य एवं उन्नत जीवनशैली पर संगोष्ठी

विशेष

इतिहास के पन्नों से : सम्मेलन का अधिवेशन

प्रादेशिक समाचार

बिहार, झारखंड, पूर्वोत्तर, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, सिक्किम, आंध्रप्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING | JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

समाज विकास

◆ सितंबर २०२३ ◆ वर्ष ७४ ◆ अंक ९

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
संपादकीय : बरखा बहार	६
आपणी बात : शिव कुमार लोहिया सम्मेलन का बढ़ता प्रभाव	७
रपट	
राष्ट्रपति से सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट	८
राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक	९-१०
वार्षिक साधारण सभा की बैठक	११
तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब का दर्शन	१२
स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक	१४
स्वास्थ्य एवं उन्नत जीवनशैली पर संगोष्ठी	१७
हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष सूरत (गुजरात), सोनारी (झारखंड), कानपुर महिला शाखा (उत्तर प्रदेश)	१९
प्रादेशिक समाचार पूर्वोत्तर, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, आंध्रप्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, सिक्किम	२०-२१
विशेष इतिहास के पन्नों से	२९
आलेख समय का सदुपयोग – सफलता का मूलमंत्र राजस्थानी भाषा को मान्यता, **कविता** – चंद्रयान	३०-३१
समाचार सार	३२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

।। ॐ श्रीपरमात्मने नमः।।

मदिरापान गौहत्या से भी बढ़कर महान भयंकर पाप है! कारण कि यह धार्मिक परमाणुओं का नाश करता है। मदिरापान भीतर के धार्मिक बीजों को भूँज देता है। मदिरा का पारमार्थिक बातों के साथ विरोध है। मदिरा पीने वाले की बुद्धि ठीक नहीं रहती.....नहीं रहती.....नहीं रहती !!

– परमश्रद्धेय स्वामीजी श्रीरामसुखदासजी महाराज

– 'यह कलियुग है' पुस्तक से

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक व इंस्टाग्राम को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– कैलाश पति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री

बरखा बहार

मई-जून की तपा देने वाली धूप में मानव त्राहि-त्रीहि करने लगता है। सुखी हवा धरती को कोड़े मारने लगती है। लू के थपेड़ों से तप्त होकर धरती भी झुलस जाती है। हालत का चित्रण कवि की पंक्तियों में किया गया है – **छाती फटी कुँआ, पोखर की/धरती पड़ी दरार/चील उड़े डैने फैलाए/जलते अंबर में सहमे-सहमे बाग-बगीचे/सहमे से घर-द्वार/सूखे की उपज होती है अकाल।**

ऐसे में पहली बार आकाश में जब मेघ आकर गरजते हैं तो आस बँध जाती है कि पहुनिया आ गए। ये मेघ बरसात साथ में लाते हैं। बरसात की बूँदे जब धरती पर गिरती हैं तो मानव राहत की साँस लेता हैं – तप्त धरती के तृप्त होने का समय आ गया। चमकते-दमकते बिजली, गरजते बादल आकाश में मानो दिवाली मना रहे हों। रिमझिम-रिमझिम फुहारों को आत्मसात करके प्रकृति आनंद के हिलोरे लेने लगती है। जल से सराबोर धरती की सौंधी खुसबू नथुनों में समाने लगती है। बूंदों की रिमझिम में संगीत का सरगम होता है। इस मौसम में बादल, पेड़ सब झूमते-गाते से लगते हैं। तुलसीदास जी ने तो कहा है – **नव पल्लव भए बिटप अनेका। साधक मन जस मिले बिबेका।।** यानी पेड़ों पर नए पत्र निकल आते हैं, जोकि साधक योगी के मन को विवेक देने वाले हैं।

वर्षा की बूँदें अपने शीतल जल से धरती माँ को तृप्त कर उर्वर बनाती हैं। बदले में धरती माँ प्रकृति को धनधान्य से भर वैभवशाली बना देती हैं। श्रीमदभगवतगीता में कहा गया है – **अन्नाद्भवन्ति भूतानि पर्जन्यादन्नसम्भवः।/यज्ञाद्भवति पर्जन्यो यज्ञः कर्मसमुद्भवः।।३.१४।।** अर्थात– सारे प्राणी अन्न पर आश्रित हैं, जो वर्षा से उत्पन्न होता है। वर्षा यज्ञ संपन्न करने से होती है और यज्ञ नियत कर्मों से उत्पन्न होता है।

वर्षाकाल से ऋतु चक्र संभव हो पाता है। वर्षा से पर्यावरण में परिवर्तन होने लगाता है। वर्षा का जल शीतलता प्रदान करने के साथ-साथ नाना प्रकार के जीवों की उत्पत्ति में भी सहायक होता है। वर्षा ऋतु वनस्पतियों के लिए वरदान सिद्ध होता है। पेड़-पौधों से धूल की सफाई हो जाती है एवं वे हरे-भरे हो जाते हैं। प्रदुषण के भार से उनके बंद नथुने खुल जाते हैं। वे चैन की साँस लेते हैं। वन-उपवन, बाग़-बगीचे में नई रौनक आ जाती है। ताल-तलैया, नदिया उमड़ पड़ती है। भूमि का जल स्तर बढ़ जाता है। झींगुर एक स्वर में बोलने लगते हैं। मोरों के पैरों में घूँघरू बँध जाते हैं और वे पंख फैलाकर नृत्य करने लग जाते हैं। मेढ़कों की टर्र-टर्र की सुंदर उपमा गोस्वामी तुलसीदास जी ने की है – **दादुर धुनि चहुँ दिशा सुहाई।/बेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई।।** मेंढकों का स्वर चारों दिशाओं में मधुर सुनाई देता है, जैसे बटुक समुदाय (ब्रह्मचारीगण) वेद पढ़ रहे हों। वर्षा की अमृत बूँदें म्लान वनस्पतियों को उसी प्रकार पुनर्जीवित कर देती है, राम-रावण युद्ध में इंद्र ने अमृत वर्षा करके राजादल के सैनिकों को जैसे पुनर्जीवित कर दिया था। **सुधा बरषि कपि भालु जियाए/हरषि उठे सब प्रभु पहिं आए।।**

वर्षा की बूंदें पेडों से छनकर छम-छम आवाज करती धरती पर गिरती हैं। पपीहे पीऊ-पीऊ करके कूकते हैं। सबकी मिलीजुली ध्वनि सुनकर लगता है मानो पूरी प्रकृति गीत गा रही है। वर्षा ऋतु में प्रकृति का सुंदर चित्र कवि की पंक्तियों में की गई है– **आँगन से कमरे तक आ पहुँची/छिटक-छिटक चिड़िया के बच्चे सी/बरखा की बौछारें/मेघों की झोली से/झरती जल की खीलें/जी करता/फुहियों की अंजुलि में भर लें/छोटे-छोटे सुख के/हर सोनल सपनो की/खड़ी कर रेत की मीनारें।**

वर्षा ऋतु का प्रभाव जनजीवन पर, धरती पर, पर्यावरण पर व्यापक रूप से होता है। ग्रामीण अंचलों में तो इसे त्योहार के रूप में मनाया जाता है। इधर वर्षा ऋतु का प्रारंभ होता है, उधर भारतीय जनजीवन में तीज-त्योहारों की एक के बाद एक झड़ी लग जाती है। **बागों में झूले पड़ जाते हैं/झुला लगा कदम की डाली/झूल रही मैं मधुवन में/चलती मधुर-मधुर पुरवाई/मस्ती छाई तन-मन में।** गाँव की किशोरी बालाएँ लोकगीतों के लय पर मधुर गान छेड़ती हैं। इस ऋतु के प्रमुख त्योहार हैं – हरियाली तीज, सिंधारा, गणगौर, नाग पंचमी, रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी। मन और तन उत्सव की भाँति सजा रहता है। वर्षा ऋतु का वर्णन हमारे धार्मिक और साहित्यिक ग्रंथों में जमकर किया गया है। वेदों में वर्षा ऋतु से संबंधित अनेकों सूक्त हैं। जैसे पर्जल सूक्त (ऋग्वेद ७/१०१/१०२) वृद्धि सूक्त (अथर्ववेद ४/१२) प्राण सूक्त (अथर्ववेद ११/४), मंडूक सूक्त (ऋग्वेद ७/१०३)। पर्जल सूक्त मेघ के गरजने, सुखदायक वर्षा होने एवं सृष्टि को फलने-फूलने का संदेश देते हैं, जबकि मंडूक सूक्त वर्षा ऋतु में मनुष्यों के कर्तव्यों का प्रतिपादन करता है। मेघदूत के प्रथम भाग में यक्ष के माध्यम से महाकवि कालिदास ने बादलों एवं वर्षा ऋतु का जो मनोरम चित्रण किया उसका आनंद लेते हैं। यक्ष बादलों से कहता है जभी तुम आकाश में उमड-घुमड़ कर छाओगे तो जिन स्त्रियों के पति विदेश में हैं, वे बड़ी आशा के साथ टकटकी लगाकर तुम्हारी ओर देखेंगी कि अब तो प्रियतम अवश्य आएंगे। वर्षा होने के बाद के मौसम का भी सुंदर चित्रण मिलता है – कदंब के फूलों को भौरें मस्ती में निहारेंगे। वर्षा के पहले जल से फूली हुई कंदली को हिरन सुखपूर्वक खा रहे होंगे। हाथी पहले जल से भींगी हुई धरती की सौंधी खुशबू सूंघ रहे होंगे। रामचरितमानस में भी गोस्वामी तुलसीदास जी वर्षा ऋतु पर सुंदर उपमाएँ दी हैं, जो कि अन्यत्र दुर्लभ है। किष्किंधा कांड में श्री रामचन्द्र जी वर्षा ऋतु के विषय में लक्ष्मण जी से कहते हैं – **कहत अनुज सुन कथा अनेका/भगति बिरख नृपनीति बिबेका/बरषा काल मेघ नभ छाए/गरजत लागत परम सुहाए।।** भावार्थ – श्री रामचन्द्र जी गुफा में बैठकर लक्ष्मण जी को विभिन्न कथाएँ सुनाते हैं। वर्षाऋतु आ गई है। आकाश में बादल छा गए हैं। भारी बारिश खेत की मेड़ों को तोड़कर निकल रही है। जो चतुर किसान हैं वे खेत की घास-फूस को साफ कर रहे हैं, जिस प्रकार– बुद्धिमान लोग अहंकार आदि दुर्गुणों का त्याग कर देते हैं। चक्रवात पक्षी उसी प्रकार नहीं दिखाई देते जिस प्रकार कलियुग मे धर्म नहीं दिखाई पड़ता। वर्षा होने के बाद भी उसर भूमि में एक तिनका भी नहीं उपजता, जैसे भक्तों के हृदय में काम उत्पन्न नहीं होता। साधकों के मन में जिस प्रकार विवेक बढ़ता है, उसी प्रकार पेड़ों पर नए-नए पल्लव पैदा हो रहे हैं। तालाब बर्षा जल को उसी प्रकार संग्रहित कर रहे हैं, जिस प्रकार सज्जन लोग सद्गुण संग्रहित करते हैं। नदियों का जल समुद्र में उसी प्रकार एकात्म हो जाता है जैसे ईश्वर प्राप्ति के बाद जीव उसी में समाहित हो जाता है।

सूरदास जी ने भी अपनी रचना में ऋतु का वर्णन करते हुए उपमाओं का प्रयोग किया है। उनकी गोपियाँ तो अपने कान्हा को श्याम बादलों में ही ढूँढती फिरती हैं। उन्हें श्याम वर्ण कृष्ण बादल के रूप में दिखाई देते हैं और वे शिकायत करती हैं कि क्या कृष्ण के देश में बादल नहीं गरजते। **किधौ घन गरजत नहि उन देखनि...** ताकि बरसते बादल को देखकर उन्हें हमारी याद आ जाए। जनकवि नजीर अकबरावादी बरसात का अपने अंदाज में वर्णन करते हैं – **हैं इस हवा में क्या-क्या बरसात की बहारें / सब्जों की लहलहाहट, बाग़ात की बहारें / बूँदों की झमझमाहट, क़तरात की बहारें / हर बात के तमाशे, हर घात की बहारें। / क्या-क्या मची है यारों बरसात की बहारें।** सूर्य-बादल आपस में आँख-मिचौली खेलते रहते हैं। पल भर में सूर्य, बादलों के पीछे छुप जाता हैं, पल भर में आकाश चमकने लगता है। वर्षा रुकने के बाद आकाश में इंद्रधनुष का नजारा अप्रतिम होता है। बारिश का पानी हल्का होता है। इसका पीएच क्षारीय होता है। यह सेहत एवं सौंदर्य दोनों के लिए लाभप्रद होता है।

वर्षा काल आध्यात्म की दृष्टि से पहली प्रगति होती है। भारतीय ऋषि मुनियों ने प्रकृति को चेतना सत्ता मानकर उसके साथ तालमेल बिठाकर जीवनयापन करने पर जोर दिया। प्रकृति की विभिन्न ऋतुएं विभिन्न सूक्ष्म प्रवाहों और स्थूल संसाधनों को लेकर आती है। उनके अनुकूल प्रकृति के अनुदानों का श्रेष्ठ उपयोग करके हम समृद्ध एवं आनंदपूर्वक जीवन जीने के अधिकारी हो जाते हैं। जो उसके अनुकूल मानसिक व्यवस्था नहीं बना पाते, उन्हें कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। पानी बरसने पर छतों एवं दिवालों की स्थिति कमजोर होने से परेशानी होती है। सड़क नालियों की सफाई में कमी रहने से नागरिकों का जीवन दूभर हो जाता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम यह समझे कि वर्षा ऋतु प्रकृति की अनुपम देन है। हमारे पूर्वजों ने तमाम कठिनाईयों के बावजूद इसका भरपूर आनंद उठाने की परंपरा कायम की थी। आज भी हमें प्रकृति से जुड़े रहकर वर्षा ऋतु का भरपूर आनंद उठाना चाहिए। मानव भी प्रकृति की देन है। उसका जीवन भी प्रकृति के अधीन है। इस महत्वपूर्ण संदेश को स्वीकार करते हुए प्रकृति के इस अनुपम भेंट को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

सम्मेलन का बढ़ता प्रभाव

– शिव कुमार लोहिया

राम-राम!

आप जब वह काम करते हैं, जो कि आपके हृदय के नजदीक है तो आपको थकान की जगह आत्म तृप्ति, निपुणता महसूस होती है। जितना आप अपने काम को पसंद करते हैं, उतना ही अधिक मेहनत आप करते हैं एवं आपको पता भी नहीं चलता है। सत्र २०२३-२५ की यात्रा पाँचवें महिने में प्रवेश कर चुका है। आपसे यह साझा करने में मुझे संकोच नहीं है कि मेरे लिए यात्रा सुखद रही है। मैंने अपना शत-प्रतिशत देने का प्रयास किया है। उससे भी बड़ी बात है कि सभी राष्ट्रीय पदाधिकारीगण एवं कुछ अपवाद को छोड़कर प्रांतीय पदाधिकारियों से स्नेह भरा सहयोग मिल रहा है। यह एक ऐसी यात्रा है जिसमें नई-नई परिस्थितियों के सम्मुख होते हुए यह समझ में आ रहा है कि इस यात्रा में कुछ हासिल करने से भी अधिक महत्वपूर्ण है कि आप अपने सम्मुख आने वाली परिस्थितियों का कैसे Respond करते हैं।

अभी तक के यात्रा के दौरान मुझे शाखा स्तर के सम्माननीय समाज-बंधुओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे योगदान की जानकारी मिल रही है एवं मेरे संपर्क का विस्तार हो रहा है। मेरे लिए यह एक सुखद अनुभव है। ये समाज-बंधु, सम्मेलन को जगह-जगह तन-मन-धन से सींच रहे हैं एवं सम्मेलन का झंडा गर्व के साथ फहरा रहे हैं। इनके संपर्क में आकर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता हूँ।

इनके द्वारा किए जा रहे कार्यों से एवं सम्मेलन के प्रति इनकी भावना से पता चलता है कि सम्मेलन को उर्जा कहाँ से मिल रही है। इस संबंध में मैं नगाँव के श्री विकास अग्रवाल द्वारा किए गए सेवा की चर्चा करना चाहूँगा। उन्होंने समर्पित भाव से अथक परिश्रम, लगन के साथ कोलकाता से गए श्री रोहित केडिया के लापता होने के उपरांत उनके खोज में एवं उनके मृत पाए जाने पर उनके शव का पोस्टमार्टम करवाकर समय पर कोलकाता भिजवाने में अपना विशिष्ट योगदान दिया। इसके लिए उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम होगी। जानकारी प्राप्त होने पर मैंने श्री विकास अग्रवाल से बात कर उन्हें उनके अप्रतिम योगदान के लिए बधाई दी। उनके पिताश्री श्री सीताराम अग्रवाल से बात करने पर पता चला कि श्री विकास अग्रवाल सामाजिक योगदान देने में गर्व महसूस करते हैं। नगाँव शाखा के अध्यक्ष श्री प्रदीप शोभासरिया से भी मैंने संपर्क कर उनसे पूरा विवरण जाना। यह एक ऐसा कार्य है जो दूसरों के लिए प्रेरणास्पद है।

इस घटना के पहले पटना में आयोजित कार्यकारिणी समिति की बैठक में सार्थक चर्चा हुई। प्रसन्नता की बात है कि सदस्यों ने सभी विषयों पर गंभीरता से अपने विचार रखें एवं सम्मेलन की दिशा एवं दशा निर्धारित करने के लिए आवश्यक निर्णय लिए। सभी पदाधिकारीगण अपना अभ्यासकार्य करके आए थे। फलस्वरूप विचार-विमर्श मुद्दों पर हुए।

मेरी जानकारी में शायद सम्मेलन में काफी अरसे के बाद मेरे अनुरोध पर कार्यकारिणी समिति की बैठक के बाद बिहार प्रांत के प्रमंडल एवं शाखा अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सभी समाज-बंधुओं का योगदान सम्मेलन एवं समाज के प्रति उनके प्रतिबद्धता का परिचायक है। जमीनी स्तर पर वस्तुस्थिति जानने का मौका मिला। उनकी बातों में सकारात्मक उर्जा का प्रवाह स्पष्ट महसूस किया जा सकता था। विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। पटना की दोनों बैठकें संतोषजनक रही। पटना में बैठक के पहले मुझे तीन कार्यक्रमों में भाग लेने का सुअवसर प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान ने पटना सिटी शाखा के पदाधिकारियों के मार्फत तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में यात्रा की व्यवस्था की। पटना सिटी शाखा के अध्यक्ष श्री शिव प्रसाद मोदी, सचिव श्री संजीव देवड़ा, कोषाध्यक्ष श्री कन्हैया डोकानिया, कार्यकारिणी सदस्य श्री गजेंद्र बूबना पूरे यात्रा में साथ रहे। पूरी यात्रा सुखद रही। अत्यंत ही पवित्र एवं आध्यात्मिक परिवेश का अनुभव स्मृतियों में संजोये हमलोग वापिस आए। तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के अध्यक्ष माननीय जगजोत सिंह के साथ मुलाकात भी आत्मीय रही। उन्होंने हमारे प्रतिनिधिमंडल का हार्दिक आवभगत किया। विशेष रूप से आभार!

पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री विनोद तोदी, श्री वैष्णो देवी समिति के माँ ब्लड सेंटर के श्री मुकेश हिसारिया एवं श्री संदीप बूबना के आग्रह से ब्लड बैंक का भ्रमण किया। पूरे बिहार में यह अपने तरह का एक अनूठा ब्लड बैंक है जहाँ नए से नए मशीनों से सुसज्जित व्यवस्था है। खास बात यह है कि इस बैंक का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने स्वयं किया था। समाज एवं समाज-बंधुओं द्वारा सुव्यवस्थित रूप से परिचालित यह विशिष्ट ब्लड बैंक का भ्रमण कर समाज-बंधुओं के समर्पण भाव को नमन करता हूँ। इस तरह के योगदान को जानकर सीना गर्व से भर जाता है।

दूसरे दिन प्रातः ही डॉ. शशि मोहनका द्वारा संचालित नेत्र चिकित्सा के लिए सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र में जाने का मौका मिला। प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल को धन्यवाद देना चाहूँगा जिनके अनुरोध से यह संभव हो सका। डॉ. मोहनका एक विशेषज्ञ होने के साथ-साथ समाज की चिंता भी करते हैं। इसीलिए वे निःशुल्क शल्य चिकित्सा भी बराबर करते रहते हैं। उनके कार्यक्रम में पटना के अनेक अग्रणी समाज-बंधुओं से मिलने का अवसर मिला।

कुल मिलाकर पटना से मैं उर्जावान होकर लौटा हूँ। मैं सम्मेलन के प्रति समाज की भावना एवं समर्पण को महसूस करता हूँ। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि आदरणीय श्री मधुसूदन सीकरिया एवं श्री रंजीत कुमार जालान निरंतर गुजरात प्रदेश के अध्यक्ष श्री गोकुलचंद जी बजाज से संपर्क बनाए हुए हैं। उनके सद्प्रयासों से सूरत में एक नई शाखा कार्यरत हुई है। इसी कड़ी में देश के अन्य भागों में – बिहार में बाढ़, कर्नाटक में बेंगलुरू, उत्तर प्रदेश में कानपुर महिला शाखा, मध्यप्रदेश में सतना, झारखंड में खरसावां, आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा एवं गुजरात में सूरत। इस दिशा में सभी पदाधिकारी प्रयत्नशील हैं एवं हमारे १०० नई शाखाओं के लक्ष्य को हासिल होने का मुझे दृढ़ विश्वास है। हमारी शाखाएँ निरंतर एक से बढ़कर एक सामाजिक कार्य कर रही हैं। साकची शाखा ने हाल में 'समाज के सितारे' कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें १० और १२ कक्षा के मेधावी छात्र-छात्राओं एवं चार्टर्ड अकाउंटेंसी के सफल छात्रों को पुरस्कृत किया है। साकची शाखा अत्यंत ही सक्रिय शाखा है एवं बराबर प्रभावी कार्यक्रम करती रहती है। मैं शाखाध्यक्ष श्री सुरेश काँवटिया एवं उनकी टीम को बधाई देता हूँ। इसी कड़ी में गुवाहाटी शाखा ने भी हाल में एक मटका फोड़ अभिनव कार्यक्रम आयोजित किया। अन्य शाखाएँ भी हैं जिनके कार्य की जानकारी मुझे मिलती रहती है और मैं उनके कार्यकलापों से प्रभावित हूँ। उनके विषय में विस्तृत चर्चा अन्य किसी समय करना चाहूँगा।

समाज-सुधार, समरसता के क्षेत्र में काम करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। गुवाहाटी में पारित किए गए समाज-सुधार एवं राजस्थानी भाषा के पारित प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए हम कृत संकल्पित हैं। लोगों का यह मानना है कि आंदोलनों का युग अब नहीं रहा। इस संबंध में हमें विचार-विमर्श, चर्चा-परिचर्चा करके आवश्यक जमीन तैयार करनी पड़ेगी। इसके लिए सभी समाज-बंधुओं का योगदान आवश्यक है। इसके अलावा स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। इसकी जानकारी 'समाज विकास' के इस अंक में अन्यत्र दिया गया है। इस संबंध में हम विस्तृत चर्चा आगे करेंगे।

कुल मिलाकर मैं यह कहना चाहूँगा कि कुछ लोगों के तमाम कोशिशों के बावजूद हम अपने पथ पर पूरी तन्मयता से आगे बढ़ रहे हैं। नई सोच के साथ नए-नए कदम उठाते हुए हम लक्ष्य प्राप्त करेंगे इसमें कोई संदेह नहीं।

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

दिल्ली में राष्ट्रपति से मिला अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिनिधि मंडल

दिसंबर में आयोजित स्थापना दिवस के लिए दिया आमंत्रण

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ८ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में दिनांक २६ सितंबर २०२३ को महामहिम राष्ट्रपति से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को पुष्पगुच्छ, ममेंटो एवं पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी भेंटकर उनका अभिवादन किया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विषय में उन्हें जानकारी दी, इसके साथ ही आगामी २५ दिसंबर २०२३ को सम्मेलन अपनी ८९वें स्थापना दिवस समारोह के लिए उन्हें सादर निमंत्रण दिया। निवर्तमान अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने महामहिम को बताया कि सम्मेलन का ध्येय वाक्य है – 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्ररी प्रगति'। सम्मेलन ने समाज सुधार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं एवं पूरे देश में समरसता के प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। महामहिम श्री द्रौपदी मुर्मु ने मारवाड़ी समाज के गौरवपूर्ण अवदान के विषय में कहा कि "देश की प्रगति में समाज के अवदान के विषय में हम सब जानते हैं।" महामहिम ने स्वयं स्मरण करवाया कि नवंबर २०२० में राँची में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में बतौर राज्यपाल मैं, सम्मेलन के कार्यक्रम में पधारी थी। श्रीमती मुर्मु ने सम्मेलन के गतिविधियों की जानकारी लेने में रुचि दिखाई।

प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया शामिल थे।

सौ नई शाखाएँ खोलने के लक्ष्य पर दृढ़ संकल्पित : श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (२०२३-२५) की पहली बैठक 'बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन' के आतिथ्य एवं 'पटना नगर शाखा' के सौजन्य से बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, पटना, बिहार के सभागार में हुई। बिहार चैंबर के अध्यक्ष श्री प्रेम कुमार अग्रवाल एवं श्री अमन कुमार अग्रवाल ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया का सम्मान किया। स्वागत संबोधन बिहार प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल ने किया।

बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** जी के सभापतित्व में शुरू हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने सर्वप्रथम सभी सदस्यों का स्वागत किया। श्री लोहिया ने सम्मेलन की वर्तमान गतिविधियों जैसे शाखा सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, कार्यशाला, डिजिटलीकरण, पुरस्कार मनोनयन पर संक्षेप में चर्चा की एवं वर्तमान सत्र हेतु अपनी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। आगे कहा कि इस सत्र में १०० नई शाखा खोलने के लक्ष्य पर हमारे राष्ट्रीय पदाधिकारीगण एवं प्रांतीय टीम सक्रिय हैं एवं हम दृढ़ संकल्पित हैं कि हम अपना लक्ष्य जरूर हासिल करेंगे।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया** जी ने कहा कि "समाज-सुधार निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। सभी बुराईयों का एक हल है 'संस्कार', अब कहने का नहीं करने का समय है। आगे उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज पर लक्ष्मी की कृपा है, सरस्वती की कृपा हो गई है, दुर्गा की कृपा नहीं है, हमें राजनीति में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए तब हम दुर्गा शक्ति से संपन्न होंगे।"

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि "संगठन में अनुशासन का होना अति आवश्यक है और सम्मेलन में अनुशासन को लेकर हुई कार्रवाई एवं आगे की कार्रवाई पर हम सभी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ पूरी शक्ति के साथ खड़े हैं। आगे उन्होंने कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा संस्कार, संस्कृति विषय पर सेमिनार करना चाहिए।"

कार्यसूची के अनुसार, सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (१९ मार्च २०२३) कानपुर का कार्यवृत प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों पर महामंत्री की रपट भी प्रस्तुत की। राष्ट्रीय स्थायी समिति के गठन के विषय में विचार-विमर्श हुआ और इसके गठन का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया को दिया गया।

कार्यसूची के अनुसार, सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री केदार नाथ गुप्ता** ने वित्तीय वर्ष २०२२-२३ के आय-व्यय का 'लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र' समिति के स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया। बैठक में सर्वसम्मति से वित्तीय वर्ष २०२२-२३ के आय-व्यय का 'लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र' को पारित किया गया।

फाइनेंस कमेटी चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने कहा कि सामाजिक संस्थाएँ समाज की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए होती हैं, संस्था को घाटे में ही चलना चाहिए; हम घाटे में होंगे तो समाज के लोगों की ज्यादा सेवा कर पाएंगे।

संगठन-विस्तार तथा प्रांतों की सक्रियता पर प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, श्री रंजीत कुमार जालान, श्री राज कुमार केडिया, श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, श्री मधुसूदन सीकरिया ने अपनी संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान ने संगठन से संबंधित रपट प्रस्तुत की और संगठन विस्तार के लिए मानक संचालन प्रक्रिया देने की बात कही। उपस्थित प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल (बिहार), श्री रमेश पेड़ीवाल (सिक्किम), श्री संतोष खेतान (उत्तराखंड), महामंत्री श्री बिनोद कुमार लोहिया (पूर्वोत्तर) एवं अन्य ने प्रांतीय सम्मेलन की रपट प्रस्तुत की।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने एक लंबे अरसे से चुनाव न करवा सकने के परिणाम स्वरूप अपने त्यागपत्र से अब तक की स्थिति के बारे में विस्तार से उपस्थित सदस्यगणों को अवगत करवाया। वहीं श्री प्रदीप

जीवराजका ने पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के चुनाव के कानूनी पक्ष से भी उपस्थित सदस्यगणों को सूचित किया। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की वर्तमान स्थिति पर विचार-विमर्श एवं आवश्यक निर्णय का प्रस्ताव पारित हुआ। महामंत्री श्री तोदी ने सभा को बताया कि गत ९ जुलाई २०२३ को अखिल भारतीय समिति ने पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संबंध में कुछ सदस्यों द्वारा असंवैधानिक कार्यों से निपटने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए अधिकृत किया था। उसके परिप्रेक्ष्य में सम्मेलन के तीन सदस्यों श्री किशन कुमार किल्ला, श्री भगवती प्रसाद बाजोरिया एवं श्री पंकज केडिया को सम्मेलन विरोधी असंवैधानिक कार्यों के लिए सम्मेलन के प्रत्येक स्तर की सदस्यता से दिनांक २० जुलाई २०२३ को निष्कासित किया गया है। इस संबंध में श्री तोदी ने एक श्वेत पत्र भी प्रस्तुत किया। सदस्यों ने सर्व सम्मति से उन तीन व्यक्तियों के निष्कासन का अनुमोदन किया एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष को स्थिति से निपटने के लिए सभी प्रकार की आवश्यक विधि सम्मत कार्यवाही करने का अधिकार दिया।

बैठक में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबंधित मामलों पर आवश्यक कार्रवाई करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया गया।

इसके उपरांत बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य के निष्कासन को लेकर चर्चा हुई, प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल ने केंद्र से निष्कासित करने की अपील की, श्री पवन सुरेका ने प्रांतीय अध्यक्ष का अनुमोदन किया, तदुपरांत केंद्र ने श्री नीरज कुमार खेडिया की सदस्यता समाप्त करने का निर्णय लेकर सदस्यता समाप्त की।

निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि "अनुशासनहीनता संगठन को कमजोर बनाती है, जो भी व्यक्ति अनुशासन तोड़े उसके विरुद्ध निःसंकोच कार्यवाही करनी चाहिए।"

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'सम्मेलन संवाद' का लोकार्पण किया गया। प्रथम में पटना नगर शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष श्री अंजनी कुमार सुरेका ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का पटना नगर शाखा के पदाधिकारियों ने शाल और पारंपरिक पगड़ी से सम्मान किया। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को रामचरितमानस भेंटकर, श्री बिनोद तोदी ने मिथिला के मखाने की माला, श्रीमती सुषमा अग्रवाल ने उपहार एवं सिक्किम के प्रांतीय अध्यक्ष ने दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया।

बैठक को संबोधित करते हुए बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री युगल किशोर अग्रवाल** ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के प्रस्ताव को स्वीकार कर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन पट ना में किया, इसके लिए मैं उन्हें आभार ज्ञापित करता हूँ। आगे, उन्होंने बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यों से उपस्थित लोगों को विस्तारपूर्वक अवगत करवाया।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री पवन कुमार जालान** ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि सम्मेलन आज स्वास्थ्य, समाजसेवा, रोजगार, व्यवसाय सहयोग पर बड़े मनोयोग से काम कर रहा है जिसका अच्छा परिणाम आगे आने वाले दिनों में हम देख पाएंगे।

कार्यकारिणी समिति की बैठक के उपरांत प्रांत के प्रमंडलीय एवं शाखा के पदाधिकारियों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एक सार्थकचर्चा की। बैठक में सर्वश्री सदानंद अग्रवाल, शशि गोयल, सुनील कुमार मोर, डॉ. राजीव केजड़ीवाल, पवन कुमार सुरेका, डॉ. पवन कुमार बंका, किशन अग्रवाल, रणदीप झुनझुनवाला, आशीष आदर्श, राकेश बंसल, महेंद्र प्रसाद, ओम प्रकाश खंडेलवाल, रमेश कुमार केजरीवाल, श्याम सुंदर भरतीय, मनीष कुमार सर्राफ, बासु सर्राफ, कमल नोपानी, सजन कुमार अग्रवाल, कमलेश कुमार नाहटा, हरिकृष्ण अग्रवाल, ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, अमर कुमार दहलान, मातादीन अग्रवाल, संजय कुमार मोदी, मनोज पटवारी, अमित कुमार कोहली, आलोक चौधरी, अजय कुमार पोद्दार, अमित कुमार अग्रवाल, गजेंद्र बूबना सहित देशभर से सम्मेलन के पदाधिकारी, सदस्यगण उपस्थित थे।

समाज के ज्वलंत मुद्दों पर सजगता से काम कर रहा सम्मेलन : श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय सभागार में सम्मेलन की 'वार्षिक साधारण सभा' राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** की अध्यक्षता में संपन्न हुई। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का अभिवादन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि समाज की ज्वलंत समस्याओं के बारे में सम्मेलन सजग होकर काम कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज की सभा सकारात्मकता के साथ हुई। सकारात्मक अनेक सुझाव हमें प्राप्त हुए हैं। जो सकारात्मक उर्जा आज यहाँ से हमें मिली, वह इस सत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित करेगी। आगे भी जो सुझाव आएगा उसे हृदय से स्वीकार कर हम आगे बढ़ेंगे।

सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया** ने कहा कि संगठन के लोगों को यह समझकर रखना चाहिए कि सम्मेलन के संविधान में संशोधन हो सकता है, लेकिन जब तक संशोधन नहीं होता तब तक यह मानस की चौपाई ही है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रूँगटा** ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि हमें सत्र में ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। सभी प्रांतों में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जाए। सम्मेलन की किसी भी समस्या को सुलझाने के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है। सम्मेलन के सभी लोगों को संविधान का अनुपालन करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि श्री ईश्वरदास जालान जी सम्मेलन के प्राणपुरुष थे तो श्री नंदकिशोर जालान जी सम्मेलन के प्रेरणा-पुरुष हैं। श्री जालान जी के शतवार्षिकी जयंती पर हमें विशेषांक निकालने पर विचार करना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने सुझाव देते हुए कहा कि डिजिटलाइजेशन के माध्यम से आप सभी सूचनाएं सदस्यों तक पहुंचा रहे हैं यह अच्छी बात है। जिन प्रांतों में आज कम शाखाओं हैं वहाँ प्राथमिकता के आधार पर ५-७ नई शाखाएँ खोलने का प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने कहा कि समरसता के साथ समाज-सुधार कार्य को आगे बढ़ाने के लिए हमें समाज के विभिन्न घटक दलों को साथ लेकर काम करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार केडिया ने कहा कि किसी भी विवाद को वार्तालाप के माध्यम से हमें सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** ने पिछले वार्षिक साधारण सभा की कार्यवृत्त को सभा पट ल पर रखा, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। वार्षिक साधारण सभा में वित्तीय वर्ष २०२२-२०२३ के दौरान सम्मेलन के क्रिया-कलापों का विवरण सबके समक्ष प्रस्तुत किया।

सम्मेलन की वित्तीय सलाहकार उपसमिति के चेयरमेन **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री केदार नाथ गुप्ता** ने २०२२-२०२३ का आय-व्यय एवं संतुलन पत्र सभा पटल पर रखा, जिसे सर्वसम्मति से अंगीकृत किया गया।

सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य एवं फाइनेंस कमिटि के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया जी के ९०वें वर्ष में पदार्पण करने पर सम्मेलन पदाधिकारीगण द्वारा पुष्पगुच्छ, शाल एवं दुपट्टा से सम्मान।

पूर्व उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका** ने कहा कि वार्षिक साधारण सभा में इतने सारे लोगों की उपस्थिति एक अच्छा संकेत है। पूर्व महामंत्री **श्री रतन लाल साह** ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि प्रत्येक प्रांत को अपने स्तर पर 'अपणी भाषा' में लिखने वाले लोगों को पुरस्कृत करने का संकल्प लेना चाहिए।

निवर्तमान महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि सम्मेलन में डिजिटलाइजेशन पर काफी काम हुआ है, इसको प्रचारित करने की आवश्यकता है। सम्मेलन का मुख्य कार्य समाज-सुधार है, इसको ध्यान में रखकर सजगता से आगे बढ़ते रहना चाहिए।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बसंत मित्तल** ने कहा कि केंद्र को प्रांतों की ओर ध्यान देना चाहिए। किसी भी समस्या को मिल-बैठकर सुलझाना चाहिए। पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल ने कहा कि संविधान की अवहेलना करने वालो के साथ शख्त कार्रवाई करना चाहिए। अन्य वक्ताओं में श्री गोपी राम धुवालिया, श्री मुकेश खेतान ने अपने विचार रखे। सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय गोयनका** ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

मौके पर सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन कुमार जालान सहित सर्वश्री नंद किशोर अग्रवाल, पवन बंसल, जय गोविन्द इंदोरिया, शिव कुमार बागला, अनिल कुमार डालमिया, महेंद्र गानिया स्वामी, संदीप कुमार सेक्सरिया, रवि लोहिया, प्रदीप जोवराजका, नरेंद्र कुमार तुलसियान, रघुनाथ झुनझुनवाला, विनय सराफ, अनिल मल्लावत, संदीप गर्ग, अरुण मल्लावत, माधव सुरेका, सांवरमल शर्मा, अजीत सहेवाल, दिनेश कुमार सिंघानिया, गोविंद प्रसाद पंसारी, गोपी राम धुवालिया, संजीव कुमार केडिया, राधा किशन सफर, सुभाष चंद गोयनका, आलोक झुनझुनवाला, अमित मूंधड़ा, राजेंद्र प्रसाद सुरेका, राजेश ककरानिया, सुरेश अगरवाल, मुकेश कुमार खेतान, नरेश डालमिया, राजेंद्र राजा, रोहित गोयल, विष्णु अग्रवाल, नंदलाल सिंघानिया, सिद्धांत जोशी, सरद श्रॉफ, संपत बॉनमेचा, नंद कुमार टेनिवाल, आर. एस. गुप्ता व अन्य समाजबंधु उपस्थित थे।

तख्त श्री हरिमंदिर जी का दर्शन कर अलौकिक अनुभूति हुई : श्री लोहिया

२६ अगस्त को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान का पाटलिपुत्र की प्राचीन धरती एवं श्री गुरु गोविंद सिंह की जन्मस्थली सिखों के दसवें गुरु **तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब** के गुरुद्वारा में आगमन हुआ। इनका भव्य स्वागत गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष श्री जगजोत सिंह एवं पटना सिटी शाखा पदाधिकारीगण अध्यक्ष श्री शिवप्रसाद मोदी, सचिव श्री संजीव देवड़ा एवं कोषाध्यक्ष श्री कन्हैया डोकानिया, कार्यकारिणी सदस्य श्री गजेंद्र बूबना एवं अन्य सदस्यों द्वारा किया गया। सभी ने गुरु घर में माथा टेका एवं आशीर्वाद लिया। गुरुद्वारा कमेटी ने सभी को सरोफा भेंट कर सम्मानित किया। तत्पश्चात पटना सिटी शाखा द्वारा पदाधिकारीगण राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों को माला, दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने संबोधन में मारवाड़ी समाज एवं सिख समाज को संदेश देते हुए कहा कि हमलोग संख्या में लघु होते हुए भी पूर्व काल से समाज की सेवा करते आ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि हमारा समाज अपनी कमाई से कुछ अंश समाजसेवा और राष्ट्र-सेवा के लिए निकालता है। शाखाध्यक्ष श्री शिव प्रसाद मोदी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों के आगमन पर कहा कि पटना सिटी शाखा आपके पटना आगमन पर गौरव का अनुभव कर रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबोधन से सिटी शाखा को काफी बल मिला है। श्री मोदी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में मना रक्षाबंधन का त्योहार

रक्षाबंधन के अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्रीमती नीरा बथवाल** एवं अन्य बहनों ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों के लिए राखियाँ भेजी, जिसे केंद्रीय कार्यालय में उपस्थित राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने बँधवाकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा, यह हर्ष का विषय है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने १९८३ में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की स्थापना की। आज वह बीज एक फलदार वृक्ष का रूप लेकर पूरे देश में अपनी कर्मठता की सौरभ फैला रहा है। श्री लोहिया ने अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के साथ संयुक्त रूप से सामाजिक कार्यों में भागीदारी का संकल्प दोहराया। उन्होंने आगे कहा कि यह जानकर गर्व महसूस होता है कि महिला सम्मेलन ने सैनिक भाइयों के लिए ३ लाख से अधिक राखियाँ भेजी हैं। सम्मेलन के

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समाज बंधु-बांधवों को भी रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की। रक्षाबंधन का पर्व विशेष रूप से भावनाओं और संवेदनाओं का पर्व है। रक्षा बंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास रूपी धागे से बँधा है, इसलिए इसे प्यार के बंधन से रिश्तों को मजबूत करने का पर्व कहा जाता है। इस त्योहार को देश के हर जाति, हर धर्म के लोग बड़े उत्साह से मनाते हैं, जो कि इस पर्व की महत्ता और सर्व-व्यापकता का परिचायक है।

आप समाज को कुछ देते हैं तो समाज भी आपको देता है : श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने माँ वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा संचालित पटना में खुले बिहार के पहले गैर वाणिज्यिक माँ ब्लड सेंटर का २६ अगस्त को दौरा किया। श्री लोहिया ने इस सार्थक पहल की सराहना की। उन्होंने माँ ब्लड सेंटर की अत्याधुनिक मशीनों, व्यवस्था आदि का जायजा लिया। समिति के श्री मुकेश हिसारिया ने श्री लोहिया को दुपट्टा एवं माँ वैष्णो देवी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। श्री लोहिया ने अपने संबोधन में कहा कि अगर आप समाज को कुछ देते है तो समाज बदले में आपको सबकुछ देता है। आगे उन्होंने कहा कि माँ ब्लड सेंटर में आने के बाद मुझे मेरे अंदर नई ऊर्जा की अनुभूति हो रही है। माँ वैष्णो देवी सेवा समिति श्री हिसारिया के स्नेहिल सम्मान के प्रति आभार ज्ञापित किया। समिति के पदाधिकारियों एवं समिति के सभी सदस्यों के उत्तम स्वास्थ्य और मंगल की कामना की।

"नर सेवा ही नारायण सेवा है"

पटना के नाला रोड स्थित राधादेवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री बालाजी नेत्रालय में दो अत्याधुनिक आँख जाँच मशीन का उद्घाटन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं बिहार मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। श्री लोहिया ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। डॉ. मोहनका द्वारा इस मशीन से गरीब मरीजों का निःशुल्क इलाज भी किया जाएगा। मौके पर बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल ने भी अपना विचार व्यक्त किया। मौके पर अतिथियों का स्वागत करते हुए ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. शशि मोहनका ने बताया कि आँख के मरीजों के उच्च गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए ट्रस्ट द्वारा बी-स्कैन एवं सी.टी.-१पी दोनों मशीन मँगाई गई है। डॉ. मोहनका ने बताया कि पहले मशीन से आँख में हुए रेटिना डिचैटमेंट एवं हैमरेज का पता चलेगा और उसका दृष्टि पर कितना असर हुआ है। दूसरे मशीन से आँख के प्रेसर की जानकारी मिलेगी। इससे काला मोतियाबिंद (ग्लूकोमा) के ईलाज में सहुलियत होगी। मौके पर ट्रस्ट के सचिव एम. पी. जैन ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक माह के चौथे रविवार को मरीजों के आँखों का निःशुल्क ईलाज एवं मोतियाबिंद का ऑपरेशन भी किया जाता है। मौके पर बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री पी. के. अग्रवाल, बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अमर अग्रवाल, सर्वश्री महावीर अग्रवाल, हनुमान गोयल, विनोद अग्रवाल, राधेश्याम बंसल, अरुण रूँगटा, बिनोद थिरानी, ओ. पी. टिबरेवाल, रघुबीर गुप्ता सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

सम्मेलन की नवगठित स्थायी समिति के सदस्य (सत्र २०२३-२५)

१)	श्री अभिषेक कुमार जैन	भागलपुर
२)	श्री भगवान दास अग्रवाल	कोलकाता
३)	श्री विष्णु पोद्दार	हावड़ा
४)	श्री चंद्रकान्त सराफ	कोलकाता
५)	श्री दिनेश कुमार जैन	कोलकाता
६)	श्री गोविंद प्रसाद अग्रवाल	२४ परगना (उ)
७)	श्री इंद्रचंद महारीवाल	कोलकाता
८)	श्री काशी प्रसाद ढेलिया	कोलकाता
९)	श्री लक्ष्मण अग्रवाल	कोलकाता
१०)	श्री मनोज चांदगोठिया	कोलकाता
११)	श्री मनोज गोयल	हावड़ा
१२)	श्री मनोज अग्रवाल	कोलकाता
१३)	श्री पवन जैन	रिसड़ा
१४)	श्री प्रदीप कुमार केडिया	हावड़ा
१५)	श्री प्रमोद कुमार जैन	रिसड़ा
१६)	श्री राधा किशन सफ्फड़	कोलकाता
१७)	श्री राजेश बजाज	पटना
१८)	श्री राजेश ककरानियाँ	हावड़ा
१९)	श्री सज्जन बेरीवाल	कोलकाता
२०)	श्री संदीप कुमार सेक्सरिया	कोलकाता
२१)	श्री संदीप कुमार अग्रवाल	कोलकाता
२२)	श्री संजय भरतिया	हावड़ा
२३)	श्री संजय शर्मा	कोलकाता
२४)	श्री संतोष कुमार मोहता	कोलकाता
२५)	श्री शशि कांत साह	कोलकाता
२६)	श्री शिव कुमार बागला	कोलकाता
२७)	श्री सुरेश कुमार अग्रवाल	कोलकाता
२८)	श्री विनय कुमार सराफ	कोलकाता
२९)	श्री अमित मूँधड़ा	कोलकाता

स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक संपन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभागार में ६ सितंबर को स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री अनिल कुमार मल्लावत ने की। श्री मल्लावत ने सभी उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा के संबंध में अपने विचार रखने का अनुरोध किया।

बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने सभी पदाधिकारियों, आमरी हॉस्पिटल और एएम मेडिकल सेंटर की प्रतिनिधियों का अभिनंदन किया। श्री मल्लावत ने आमरी हॉस्पिटल के प्रतिनिधि से सम्मेलन के सदस्यों के लिए ओपीडी जाँच में २० प्रतिशत छूट, ऑल डे-केयर सर्जरी में १५ प्रतिशत छूट देने का अनुरोध किया और १६ सितंबर २०२३ को 'स्वास्थ्य एवं उन्नत जीवनशैली' पर एक सेमिनार करने का अनुरोध किया। आगे कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा लिखित प्रारूप में अनुशंसित किए गए सभी मरीजों को आमरी में सभी प्रस्तावित लाभ मिलना चाहिए। आमरी हॉस्पिटल और एएम मेडिकल सेंटर से पैकेज और डॉक्टर सूची प्रदान करने का भी अनुरोध किया गया। उपर्युक्त सभी अनुरोधों पर सहमति बनी। आमरी हॉस्पिटल के प्रतिनिधि ने कहा कि हमारा हॉस्पिटल अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों को 'प्रिविलेज कार्ड' प्रदान करेगा। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, आमरी हॉस्पिटल द्वारा माँगे गए सदस्यों की सूची उसे वांछित प्रारूप में मेल करेगा। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सहयोगी प्रायोजक बी.डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से श्री विशुद्धानंद मारवाड़ी अस्पताल, अहमर्स्ट स्ट्रीट के साथ एक व्यवस्था की है, जहाँ हार्निया, हाइड्रोसिल, पाइल्स और फिशर सर्जरी पर होने वाले खर्च का ८० प्रतिशत भुगतान प्रायोजक द्वारा किया जाएगा।

श्री अनिल कुमार मल्लावत ने कहा कि इन सभी सूचनाओं को हमें बैनर और सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार

प्रचार, प्रसार करना होगा।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता, स्वास्थ्य उपसमिति के सदस्य डॉ. विजय केजरीवाल, डॉ. मुकेश कोचर, श्री अनिल डालमिया, श्री मनोज गोयल, श्री सुशील भावसिंहका ने अपने-अपने विचार रखे। स्वास्थ्य उपसमिति के संयोजक श्री बृजमोहन गाड़ोदिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल

सम्मेलन ने सदस्यों एवं समाज बंधु-बांधवों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में निम्नलिखित पहल की है –

१. सम्मेलन ने अपने सहयोगी 'बी. डी. गाडोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' के माध्यम से **एस.वी.एस. मारवाड़ी अस्पताल** (अम्हर्स्ट स्ट्रीट) के साथ मिलकर विविध सर्जरी के लिए व्यवस्था की है, जिसमें **(१) हर्निया, (२) हाइड्रोसिल, (३) पाइल्स, (४) फिस्सुरे** के ऑपरेशन में होने वाले खर्च का 80 प्रतिशत योगदान 'बी. डी. गाडोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' सीधे तौर पर अस्पताल को देगा और शेष 20 प्रतिशत मरीज को वहन करना पड़ेगा। इसका लाभ देश के सभी प्रांतों के समाज-बंधु ले सकते हैं।
नोट : आवेदन प्रपत्र केंद्रीय एवं प्रांतीय कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। चिकित्सकीय सेवा का लाभ प्रांतीय अध्यक्ष या महामंत्री के अनुशंसा पत्र के माध्यम से ही मिलेगा। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय से दूरभाष : 033-40044089, 8697317557, ईमेल : aimf1935@gmail.com पर संपर्क कर सकते हैं।

२. **आमरी हॉस्पिटल्स** (कोलकाता के तीन हॉस्पिटल्स एवं भुवनेश्वर के एक हॉस्पिटल) एवं ए.एम. मेडीकल प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर सभी सदस्यों के लिए विविध स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर के लिए साझेदारी की है, इस सुविधा के तहत सभी डे-केयर सर्जरी पर 15% की छूट एवं अन्य सर्जरी रियायती दरों पर होगी। इसके लिए आमरी हॉस्पिटल्स सम्मेलन के सदस्यों को एक 'प्रिविलेज कार्ड' दे रहा है। इसका लाभ पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा प्रांत के सम्मेलन सदस्य ले सकते हैं।
नोट : सदस्यों से निवेदन है कि अपना **'प्रिविलेज कार्ड'** सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय से संग्रह कर लें।

IAC SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Introducing

nouriture

New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
ANMOL FEEDS PVT. LTD.

Toll free number:
1800 3131 577

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

स्वस्थ जीवन के लिए रूटीन चेकअप जरूरी : बोलीं डॉ. राखी सान्याल

सदस्यों के लिए 'प्रिविलेज कार्ड' का शुभारंभ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सभागार में दिनांक १६ सितंबर को 'स्वास्थ्य एवं उन्नत जीवनशैली' विषयक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने किया। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित महानुभावों का स्वागत करते हुए कहा कि आरोग्य परम भाग्य है। आज हम यह विचार नहीं करते कि हमें क्या खाना चाहिए, कितना खाना चाहिए। संतुलित जीवनचर्चा से ही अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है। प्रधान वक्ता आमरी हॉस्पिटल्स की सुप्रसिद्ध डॉ. राखी सान्याल ने कहा कि स्वास्थ्य सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन कहता है कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का संतुलन ही स्वास्थ्य है। समय रहते स्वास्थ्य परीक्षण कर गंभीर रोगों की रोकथाम की जा सकती है। मधुमेह, ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक, कैंसर, किडनी रोगों से बचाव के लिए हमें ३५-४० साल की आयु से ही अपना रूटीन चेकअप करवाते रहना चाहिए। आधुनिक जीवनशैली में जंक फूड और फास्ट फूड संस्कृति के चलते कम आयु के लोग भी इन गंभीर रोगों के शिकार होकर असमय ही मौत के मुँह में जा रहे हैं। हमें अपने पूर्वजों की जीवनशैली से भी बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। सभी को जागरूक करके, स्क्रीनिंग कैंप लगाकर, नियमित देखभाल से ही इन गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। मलेरिया एवं डेंगू जैसे बुखार से बचे रहने के लिए बहुत जरूरी है कि मॉनसून में हम मच्छरदानी का उपयोग करें। मौके पर आमरी हॉस्पिटल द्वारा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों को 'प्रिविलेज कार्ड' प्रदान किया गया। स्वास्थ्य उपसमिति के संयोजक श्री बृजमोहन गाड़ोदिया ने डॉ. राखी सान्याल को सम्मानित किया। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उपहार भेंटकर उन्हें सम्मानित किया। सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार केडिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान, सर्वश्री रमेश कुमार जैन, संतोष केजरीवाल, बिनोद अग्रवाल, पवन जैन, प्रमोद बाजला, राम प्रसाद सराफ, गोपाल बाजोरिया, राजीव कुमार अग्रवाल, बी.एम. नांगलिया, बसंत, अशोक पुरोहित, एम.एल. दमानी, संजय, श्रीमती उर्मिला दिनोडिया, श्रीमती संस्कृति पुरोहित सहित अन्य प्रांतों के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने आभासीय पटल 'जूम' के माध्यम से जुड़कर संगोष्ठी का लाभ उठाया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने कार्यक्रम का संचालन किया। सम्मेलन के स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन और डायरेक्टर एंड उपाध्यक्ष आमरी हॉस्पिटल श्री अनिल कुमार मल्लावत ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बताया कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन पूरे भारत का नेतृत्व करता है। देशभर में हमारी शाखाएँ तरह-तरह के कार्य करती हैं। अब हम स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भी हर माह करेंगे। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, सर्वश्री जगदीश चंद्र मूँधड़ा, जुगल किशोर जाजोदिया, राधा किशन सफर, महेंद्र कुमार अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, वेद प्रकाश गुप्ता, जीतू कानोई, शशि भारती, बिनय कुमार अग्रवाल, सिद्धांत जोशी, नरेंद्र कुमार तुलस्यान, डॉ. विजय केजरीवाल, अरुण प्रकाश मल्लावत, सूरज नागोरी, श्रीगोपाल अग्रवाल, सीए विनोद अग्रवाल, शशिकांत शाह, रोहित गोयल, अमित कहाली, सांवरमल शर्मा, बिमल कुमार सुल्तानिया, सायंतन साहा, सोहन अधिकारी, साइरिका दास, अर्पिता पाल, नंदलाल सिंघानिया, सायन तालुकदार, आयुष अविक, इंद्रनील घोष, रमेश बूबना, सरद श्रॉफ, प्रदीप कुमार तोदी, गोपाल पिट्टी, शिव कुमार बागला आदि मौजूद रहे।

सम्मेलन की नवगठित उपसमिति के पदाधिकारी (सत्र २०२३-२५)

सलाहकार उपसमिति

चेयरमैन
श्री सीताराम शर्मा
संयोजक
श्री आत्माराम सोन्थलिया
सदस्यगण
श्री नंदलाल रूँगटा
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
श्री राम अवतार पोद्दार
श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
श्री संतोष सराफ
श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया
श्री रतन लाल साह
श्री भानीराम सुरेका
श्री संजय कुमार हरलालका
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

भवन निर्माण उपसमिति

चेयरमैन
श्री संतोष सराफ
संयोजक
श्री पवन कुमार जालान
सदस्यगण
श्री सीताराम शर्मा
श्री नंदलाल रूँगटा
श्री हरि प्रसाद कानोड़िया
श्री रमेश नांगलिया
श्री मानकचंद बालासरिया
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

संविधान उपसमिति

चेयरमैन
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
संयोजक
श्री संजय हरलालका
सदस्यगण
श्री आत्माराम सोन्थलिया
श्री रतन लाल बंका
श्री पवन कुमार सुरेका
श्री मधुसूदन सीकरिया
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री नकुल अग्रवाल
श्री प्रदीप जीवराजका
श्री विनोद कुमार जैन
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

राजनीतिक चेतना उपसमिति

चेयरमैन
श्री नंदलाल सिंघानिया
संयोजक
श्री नंद किशोर अग्रवाल
सदस्यगण
श्रीमती मीना देवी पुरोहित
श्री जय गोविंद इंदौरिया
श्री राज कुमार तिवाड़ी
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

उच्च शिक्षा उपसमिति

चेयरमैन
श्री हरि प्रसाद कानोड़िया
संयोजक
श्री संतोष सराफ
सदस्यगण
श्री सीताराम शर्मा
श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
श्री अरुण सुरेका
श्री बनवारीलाल मित्तल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

स्वास्थ्य उपसमिति

चेयरमैन
श्री अनिल कुमार मल्लावत
संयोजक
श्री बृज मोहन गाड़ोदिया
सदस्यगण
डॉ. विजय केजरीवाल
डॉ. मुकेश कोचर
श्री अनिल डालमिया
श्री मनोज गोयल
श्री सुरज नागोरी
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति

चेयरमैन
श्री पवन कुमार गोयनका
संयोजक
श्री जुगल किशोर जाजोदिया
सदस्यगण
श्री राजेंद्र खंडेलवाल
श्री अरुण चुड़ीवाल
श्री रामानंद रुस्तगी
श्री शिव कुमार अग्रवाल
श्री गोपाल पित्ती
श्री अरुण अग्रवाल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

वित्तीय उपसमिति

चेयरमैन
श्री आत्माराम सोन्थलिया
संयोजक
श्री गोपाल अग्रवाल
सदस्यगण
श्री राम अवतार पोद्दार
श्री केदारनाथ गुप्ता
श्री अरुण कुमार चुड़ीवाल
श्री अमित सरावगी
श्री दीपक जालान
श्री नारायण प्रसाद डालमिया
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

निर्देशिका सह जनसंपर्क उपसमिति

चेयरमैन
श्री संजय हरलालका
संयोजक
श्री शंकर जालान
सदस्यगण
श्री राजेश ककरानिया
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल
श्री राजेश बजाज
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

महापंचायत उपसमिति

चेयरमैन
श्री राम अवतार पोद्दार
संयोजक
श्री गोपाल अग्रवाल
सदस्यगण
श्री सीताराम शर्मा
श्री नंदलाल रूँगटा
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
श्री भानीराम सुरेका
श्री रतन लाल साह
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

सूचना तकनीक एवं वेबसाइट उपसमिति

चेयरमैन
श्री अजय कुमार अग्रवाल
संयोजक
श्री नवीन गोपालिका
सदस्यगण
श्री हेमंत अग्रवाल
श्री संदीप कुमार अग्रवाल
श्री विष्णु कुमार तुलस्यान
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

पुरस्कार चयन उपसमिति

चेयरमैन
श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
संयोजक
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
सदस्यगण
श्री रतन लाल साह
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान
श्री उमाशंकर अग्रवाल
श्री कमल कुमार कडिया
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति

चेयरमैन
श्री संदीप गर्ग
संयोजक
श्री राजेश कुमार अग्रवाल
सदस्यगण
श्रीमती बबिता अग्रवाल
श्री नंदलाल सिंघानिया
श्री रवि शंकर सीकरिया
श्रीमती सुनिता लोहिया
श्री अशोक कुमार अग्रवाल
श्री ओम प्रकाश पोद्दार
श्री अमित मेधड़ा
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

सेमिनार उपसमिति

चेयरमैन
श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान
संयोजक
श्री संजय गोयनका
सदस्यगण
श्री अमित सरावगी
श्री प्रमोद कुमार जैन
श्री ऋषि बाँगड़ी
श्री दीपक बुचासिया
श्री अमित मेधड़ा
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

समाज विकास उपसमिति

चेयरमैन
श्री शिव कुमार लोहिया
संयोजक
श्री पवन कुमार जालान
सदस्यगण
श्री भानीराम सुरेका
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका
श्री अरुण कुमार चुड़ीवाल
श्री श्याम सुंदर अग्रवाल
श्री शंकर जालान
श्री कैलाशपति तोदी

विधिक उपसमिति

चेयरमैन
श्री प्रदीप जीवराजका
संयोजक
श्री अशोक पुरोहित
सदस्यगण
श्री घनश्याम सुगला
श्री शरत झुनझुनवाला
श्री गोपाल अग्रवाल
श्री अजय कुमार अग्रवाल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

अनुशासन एवं शिकायत उपसमिति

चेयरमैन
श्री आत्माराम सोन्थलिया
संयोजक
श्री संजय हरलालका
सदस्यगण
श्री कमल नोपानी
श्री अशोक कुमार जालान
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

मायड़ भाषा उपसमिति

चेयरमैन
श्री रतन लाल साह
संयोजक
श्री अरुण प्रकाश मल्लावत
सदस्यगण
श्री संवरमल शर्मा
श्री जगदीश प्रसाद सिंघी
श्री श्याम सुंदर पोद्दार
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

रोजगार उपसमिति

चेयरमैन
श्री दिनेश कुमार जैन
संयोजक
श्री रवि लोहिया
सदस्यगण
श्री पवन कुमार जैन
श्री पवन कुमार मोदी
श्री सज्जन बेरीवाल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

शाखा : सूरत, गुजरात

श्री सुशील अग्रवाल

श्री सुशील अग्रवाल का जन्म २५ जनवरी १९५५ में बिहार के समस्तीपुर जिले के हसनपुर रोड गांव में हुआ। श्री अग्रवाल के पिताश्री स्वर्गीय चिरंजी लाल अग्रवाल और स्वर्गीय गायत्री देवी जी हैं। आप मूल रूप से हरियाणा के भिवानी जिला अंतर्गत तोशाम के निवासी हैं। आपका विवाह श्रीमती मीना देवी से २५ नवंबर १९७६ को हुआ। आप कपड़ा व्यवसाय से जुड़े हैं। पिछले दो दशकों से आप समाजसेवा मूलक कार्य में तन, मन से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आप अग्रवाल समाज ट्रस्ट, अल्थान के फाउंडर ट्रस्टी, अग्रवाल समाज ट्रस्ट, घुड़दौड़ रोड, सूरत के पैटर्न ट्रस्टी हैं। आप अभी गुजरात प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन में उप-महामंत्री और जनजाति कल्याण आश्रम, सूरत महानगर के सक्रिय सदस्य की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आप वृद्ध आश्रमों में भी निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आप श्री का कहना है एक देश, एक ही नारा, सब की सेवा ही धर्म हमारा।

शाखा : सोनारी, झारखंड

श्री आनंद अग्रवाल

श्री आनंद अग्रवाल के पिता स्वर्गीय सागरमल अग्रवाल जमशेदपुर के पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। स्वर्गीय सागरमल अग्रवाल मृदुभाषी एवं जिंदादिल इंसान थे और सामाजिक सरोकार से हमेशा जुड़े रहे। श्री अग्रवाल अपने पिताश्री के सभी गुण को अपनाते हुए समाज में एक अच्छी छवि बनाई है। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्वी सिंहभूम जिला के अंतर्गत आने वाली सोनारी शाखा के सत्र २०२३-२५ के लिए श्री आनंद अग्रवाल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। श्री आनंद अग्रवाल जमशेदपुर की लगभग सभी सामाजिक संस्थाओं में अपना अहम योगदान देते रहे हैं।

शाखा : महिला समिति कानपुर, उत्तर प्रदेश

श्रीमती आशा केडिया

श्रीमती आशा केडिया जी का जन्म ४ फरवरी १९७५ को सीकर जिले में हुआ। आपके पिता श्री चौथमल जी भूत और माँ श्रीमती शारदा देवी हैं। आप मूलरूप से राजस्थान के सीकर जिला के लक्ष्मणगढ़ की निवासी हैं। आपका विवाह श्री प्रदीप केडिया जी से २ जून १९९८ में हुआ। पिछले एक दशक से आप समाजसेवा मूलक कार्यों में तन, मन से अपनी सेवाएँ दे रही हैं। आप अग्रवाल सेवा समिति, श्री राणी सती दादी सेवा मंडल, श्री शारदीय दुर्गा पूजा कमेटी की कार्यकारिणी सदस्य हैं। अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन, महिला समिति, कानपुर के सत्र २०२३-२५ के लिए शाखा अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं।

मानवीय संवेदना की मिसाल कायम की

विकास अग्रवाल

३१ जुलाई को कोलकाता के युवक रोहित केडिया के निधन की खबर सोशल मीडिया के द्वारा नगाँव के लोगों को मिली। ४० वर्षीय रोहित केडिया चलती ट्रेन से रहस्यमय तरीके से गायब हो गए थे। खोजबीन के बाद उनका पार्थिव शरीर असम के छापरमुख के पास मिला। शव को पोस्टमार्टम हेतु नगाँव सिविल हॉस्पिटल भेजने में हो रही देरी को संभाला छापरमुख के श्री विकास अग्रवाल ने जो कि सम्मेलन की पूर्वोत्तर प्रांतीय इकाई के पदाधिकारी हैं। अपने प्रयासों से उन्होंने आवश्यक पुलिस की कार्यवाहियों को पूर्ण कराया और अंत तक अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। इधर घटना की जानकारी मिलते है नगाँव मारवाड़ी पंचायत अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय तोदी ने मारवाड़ी सम्मेलन, नगाँव शाखा के अध्यक्ष श्री प्रदीप सोभासरिया को फोन कर उनके परिजनों को आवश्यक सक्रिय सहयोग देने हेतु कहा। सम्मेलन के नगाँव शाखा अध्यक्ष श्री प्रदीप सोभासरिया, सचिव श्री अजय मित्तल, श्री आकाश सोभासरिया भी हॉस्पिटल पहुँच गए। वहाँ पहुँचने पर पता चला कि हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम ४ बजे के बाद नहीं होता है। संयोग से हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट डा. भूपेन बरा, श्री प्रदीप सोभासरिया के परिचित थे। उनके सहयोग से पोस्टमार्टम की व्यवस्था की गई। तत्पश्चात शव को सुरक्षित रखने एवं एयरपोर्ट भेजने के लिए समुचित कार्रवाई पूरी की गई। अंततः रात ८ बजे रोहित के शव को लेकर उनके परिजन कोलकाता के लिए रवाना हुए। केडिया परिवार ने कहा कि "नगाँव में वे किसी को भी नहीं जानते थे, मारवाड़ी सम्मेलन के सहयोग के बिना आज पोस्टमार्टम संभव ही नहीं था। मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष और सदस्यों को इस दुख की घड़ी में उनका सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया।" तत्पश्चात कोलकाता से सूचना मिली कि कागजी कर्रवाई में कुछ कमियाँ रह जाने के कारण रहित का अंतिम संस्कार वहाँ के प्रशासन द्वारा रोक दिया गया है। शाखा द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उन कमियों को दूर करवाकर कागज को कोलकाता भेजा गया फिर अंतिम संस्कार का कार्य पूर्ण हुआ।

नगाँव शाखा अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार सोभासरिया, श्री विकास अग्रवाल एवं इनके पिता श्री सीताराम अग्रवाल से सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने व्यक्तिगत रूप से बात करके उन्हें उनके द्वारा किए गए उच्च कोटि के मानवता की मिसाल कायम करने वाले काम के लिए हार्दिक बधाई एवं साधुवाद दिया। और आशा व्यक्ति की कि हम सभी इस तरह के योगदान से प्रेरणा लेंगे एवं सम्मेलन एवं समाज को सर्वश्रेष्ठ देते रहेंगे।

प्रादेशिक समाचार : पूर्वोत्तर

भाग्यशाली दानपत्र २०२३ का शुभारंभ

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के भाग्यशाली दानपत्र २०२३ का अनावरण प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम सुंदर हरलालका, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया, निवर्तमान अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल के कर कमलों से हुआ। उक्त अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री रमेश चांडक, महामंत्री श्री विनोद कुमार लोहिया, संयुक्त मंत्री एवं भाग्यशाली दानपत्र प्रकल्प के संयोजक श्री मनोज काला, मंडल 'च' के सहायक मंत्री श्री माखन अग्रवाल, मंडल 'घ' के सहायक मंत्री श्री विकाश अग्रवाल, छापरमुख शाखा के अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल, गुवाहाटी शाखा के सचिव श्री अशोक सेठिया, कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया, गुवाहाटी महिला शाखा की सचिव श्रीमती मंजू भंसाली एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती बिमला कोचर उपस्थित रही। संयोजक श्री मनोज काला ने भाग्यशाली दानपत्र के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्रांतीय अध्यक्ष ने सभी से इस प्रकल्प को सफल बनाने के लिए आह्वान किया। श्री हरलालका जी, श्री मधुसूदन जी और श्री ओम प्रकाश जी ने प्रांत के द्वारा अतीत में हुए दानपत्र परियोजनाओं की जानकारी दी और इस प्रकल्प की सफलता की कामना की। प्रांतीय अध्यक्ष ने गुवाहाटी महिला शाखा के पदाधिकारियों को १०० कूपन देकर कूपन वितरण का शुभारंभ किया। मंडल 'घ' के श्री विकास अग्रवाल को पूरे मंडल हेतु ५०० कूपन दिए। महामंत्री ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रादेशिक समाचार : दिल्ली

दिव्यांग सेवा

३ सितंबर को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने माहेश्वरी सदन, राणा प्रताप कॉलोनी में दिव्यांग सेवा की। इस सेवा कार्यक्रम में उपस्थित रहे प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया।

मारवाड़ी समाज पर शोध कार्य हेतु सम्मेलन व विश्वविद्यालय के बीच ऐतिहासिक समझौता

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन ने वीरांगना सती साधनी राज्यिक विश्वविद्यालय, गोलाघाट के साथ हुए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (MOU) पर विश्वविद्यालय की ओर से रजिस्ट्रार एवं सम्मेलन की ओर से प्रांतीय अध्यक्ष ने हस्ताक्षर किया। इस MOU के तहत सम्मेलन ३ पीएचडी शोधार्थी को अनुदान देगी। इसमें से २ पीएचडी के विषय मारवाड़ी समाज से सम्बंधित होंगे, जबकि एक किसी भी विषय पर हो सकता है। सम्मेलन की ओर से प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री रमेश चांडक, महामंत्री बिनोद लोहिया, संगठन मंत्री श्री विमल अग्रवाल, संयुक्त मंत्री श्री बिरेन अग्रवाल, सलाहकार श्री प्रदीप खदरिया, मंडल 'क' के उपाध्यक्ष डॉ. महेश जैन और बोकखात से डॉ. बाबूलाल मोर शामिल हुए। मारवाड़ी शोध-कार्य समिति के संयोजक श्री उमेश खंडेलिया स्वास्थ्य संबंधी कारणों से उपस्थित नहीं हो पाए। यह पल उनके लगातार प्रयासों का नतीजा है। खंडेलिया जी को विशेष आभार। विश्वविद्यालय की ओर से वाइस चांसलर डॉ. ज्योति प्रसाद सैकिया, रजिस्ट्रार डॉ. उदय कुमार खनिकर, उप-रजिस्ट्रार डॉ. भास्कर ज्योति बोरठाकुर, डॉ. उदयन बरुआ, श्री यांकी देवरा, डॉ. परस्मिता हजारिका, डॉ. जीतू सैकिया, डॉ. त्रिवेदी बुतिया उपस्थित रहे। संभवतः यह अखिल भारत में किसी विश्वविद्यालय के साथ सम्मेलन के किसी प्रांत का पहला MOU है। उम्मीद है इस MOU के अपेक्षित परिणाम निकलेंगे।

स्वतंत्रता दिवस पर भंडारा का आयोजन

१५ अगस्त को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर भंडारा का आयोजन किया गया। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया जी के द्वारा विशाल भंडारे का शुभारंभ किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

प्रादेशिक समाचार : सिक्किम

सिक्किम के राज्यपाल से प्रांतीय सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट

सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश पेडीवाल के नेतृत्व में सिक्किम के महामहिम राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से एक शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल महोदय को सभी सदस्यों द्वारा दुपट्टा पहनाकर अभिवादन किया गया। अध्यक्ष श्री रमेश जी ने सम्मेलन के कार्यों एवं उद्देश्यों से उन्हें अवगत कराया। महामहिम राज्यपाल महोदय ने श्री पेड़ीवाल जी एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा राज्य में सभी समाज के लोगों के साथ मिलकर राष्ट्र एवं समाज की सेवा भावना से कार्य कर रहे मारवाड़ी समाज की सराहना की। राज्यपाल के साथ भेंटवार्ता में सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संरक्षक श्री हरि प्रसाद अग्रवाल, सलाहकार श्री नेहरू मरदा, श्री सतभगवान अग्रवाल, संगठन सचिव श्री सजन अग्रवाल, संयुक्त सचिव श्री सुभाष डागा, कोषाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश थिरानी, कार्यकारिणी सदस्य श्री महेश अग्रवाल, जितेंद्र गोयल, सुमित बंसल आदि शामिल थे।

प्रादेशिक समाचार : बिहार

मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्त

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कोसी शाखा की बैठक व्यापार संघ के सभा भवन में संपन्न हुई। इसमें कोसी क्षेत्र के लगभग ७० प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में समाज के द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल ने समाज के लोगों से एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने अपील की कि मारवाड़ी समाज के ज्यादा से ज्यादा लोग आजीवन सदस्यता ग्रहण करें। सभी शाखाओं से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाने की आपील की, जिससे गरीब तबके के लोगों को नि:शुल्क में समुचित स्वास्थ्य लाभ मिल सके। वहीं समाज के गरीव मेधावी छात्रों को स्कॉलरशिप देने की बात कही। इस बैठक में वरीय उपाध्यक्ष श्री अमर कुमार दहलान, कोषाध्यक्ष श्री मनीष सर्राफ, श्री संदीप मोहनका, श्री सुशील कनोडिया, श्री दिलीप खण्डेलवाल, श्री अजय कुमार टिबरेवाल, श्री रमेश कुमार मिश्र, श्री केदारनाथ मिश्र, श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल, श्री मातादीन अग्रवाल, श्री उमेश जैन, श्री विजय राज छाजेड़, श्री सुनील सोंथलिया, श्री राजेश मोहनका, श्री सत्यनारायण मोहनका, श्री पवन अग्रवाल, श्री दामोदर अग्रवाल सहित अन्य वक्ताओं ने अपने-अपने विचारों को रखा। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वश्री विनोद जैन, सुजीत अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, अक्षय सुल्तानिया, मोंटी अग्रवाल, अंतम अग्रवाल तथा अन्य सदस्यों ने योगदान दिया।

प्रादेशिक समाचार : उत्तर प्रदेश

नि:शुल्क शिक्षा सामग्री का वितरण

यशोदानगर नाथूमल साधवानी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल, कानपुर में मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संस्कारशाला के अंतर्गत बस्ती के अत्यधिक जरूरतमंद होनहार बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा सामग्री प्रदान की जाती है। कहा जाता है किसी को शिक्षा देना परम धर्म का काम है। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा इन बच्चों को स्कूल बैग, टिफ़िन बॉक्स, पेंसिल बॉक्स, यूनिफार्म, पानी की बोतल, कॉपी सेट इत्यादि शिक्षा सामग्री वितरित की गई। बच्चें शिक्षा सामग्री प्राप्त कर प्रसन्न हुए। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति दी, जिनमें से शंकर-पार्वती के नृत्य को खूब सराहा गया। इस कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान, प्रांतीय संरक्षक श्री धनपत जैन, कानपुर शाखा अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, महामंत्री श्री प्रदीप केडिया, कोषाध्यक्ष श्री महेंद्र लड़िया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री बालकृष्ण देवड़ा, विशिष्ट सहयोगी श्री गिरिराज अग्रवाल, सर्वश्री आदित्य पोद्दार, सुमित बंसल, विपुल गोयल, कैलाश अग्रवाल, रामकृष्ण जिंदल, राजेश माहेश्वरी, रमन महेश्वरी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बादशाह नमकीन वाले भी उपस्थित रहे। महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती आशा केडिया, श्रीमती कीर्ति जैन, श्रीमती विनीता अग्रवाल, श्रीमती रीतू लड़ियाँ, श्रीमती सुचि अग्रवाल एवं श्रीमती सुरभि द्विवेदी एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया।

नव-दंपत्ति को 1 लाख से अधिक का उपहार

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने प्रेमा समाजम अनाथालय में नवविवाहित दूल्हे और दुल्हन को १ लाख से अधिक मूल्य का उपहार दिया।

मारवाड़ी सम्मेलन ने प्रेमा समाजम की एक कैदी सुश्री मेघना की शादी शहर के अरिलोवा इलाके के निवासी श्री अनंत कुमार के साथ की, जो नुज्विद के एक कॉलेज में व्याख्याता के रूप में कार्यरत हैं। विवाह में सम्मेलन के सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने दूल्हा-दुल्हन को एक सोने की चेन, एक जोड़ी चाँदी की पायल, सोने के कान के स्टड, नए कपड़े और शादी और पूजा के लिए आवश्यक सामग्री भेंट की, जिसकी कुल कीमत १ लाख ५ हजार है।

सम्मेलन के अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल, सचिव श्री पोड़ेश्वर पुरोहित, संयुक्त सचिव श्री गिरधारी लाल अग्रवाल, प्रतिनिधि श्री पवन कुमार बंसल, श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल और श्रीमती लता पोड़ेश्वर शामिल थीं। सम्मेलन ने अब तक समाजम में आयोजित १३ शादियों के लिए दूल्हे और दुल्हनों को उपहार प्रदान किया है।

प्रेमा समाजम की प्रबंध समिति ने नवविवाहित जोड़े को ६१ हजार का सावधि जमा बांड दिया है। प्रेमा समाजम के अध्यक्ष श्री बुद्ध शिवाजी, उपाध्यक्ष श्री एम. हनुमंत राव, सचिव श्री हरि मोहन राव, संयुक्त सचिव श्री वी.के.सुरेश कुमार और सलाहकार पी. विश्वेश्वर राव उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि!

सम्मेलन के पूर्वोत्तर प्रांतीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवं निवर्तमान शाखाध्यक्ष स्वर्गीय प्रदीप सुरेका के निधन के दुखद समाचार से सम्मेलन परिवार मर्माहत है। सम्मेलन परिवार की ओर से श्रद्धापूर्वक नमन।

स्वर्गीय प्रदीप सुरेका

भावभीनी श्रद्धांजलि

खरसावां शाखा का गठन

२० सितंबर को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के सरायकेला खरसावां शाखा जिला अध्यक्ष प्रदीप चौधरी के द्वारा खरसावां क्षेत्र का दौरा संगठन विस्तार हेतु किया गया। इस निमित्त जिला उपाध्यक्ष श्री अरुण सेक्सरिया, जिला महासचिव श्री प्रेमचंद अग्रवाल एवं सरायकेला शाखा अध्यक्ष श्री विष्णु अग्रवाल भी संगठन विस्तार हेतु अपना बहुमूल्य समय दिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप चौधरी ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में कुचाई के निवासी श्री अनूप अग्रवाल को निर्विरोध निर्वाचित किया और खरसावां शाखा का विस्तार करते हुए उपाध्यक्ष श्री मनोज अग्रवाल, सचिव श्री महेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, कार्यक्रम प्रभारी श्री दीपक अग्रवाल, मीडिया प्रभारी श्री प्रवीण अग्रवाल को सर्वसम्मति से दायित्व सौंपा गया। खरसावां शाखा का गठन कुचाई, खरसावां एवं आमदा को मिलाकर किया गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री अनूप अग्रवाल ने कहा कि खरसावां क्षेत्र में पहली बार मारवाड़ी समाज से संबंधित बैठक और शाखा का गठन हुआ है, इसके लिए प्रांतीय अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल और जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप चौधरी को धन्यवाद। अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए समाज को मजबूत करने एवं अपना सामाजिक दायित्व निर्वहन करने की बात कही। इस शाखा के अंतर्गत अब तक छह महिलाओं ने भी सदस्यता ग्रहण की है।

शिलापथार, पूर्वोत्तर

सैनिकों को रक्षाबंधन बाँधकर पर्व मना

सम्मेलन की सिलापथार शाखा एवं सिलापथार महिला शाखा द्वारा जवानों को रक्षा सूत्र बाँधकर रक्षाबंधन त्योहार मनाया गया।

सूरत जिला इकाई गठित

सूरत के अग्रवाल समाज भवन में ६ सितंबर को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोकुल बजाज की अध्यक्षता में हुई। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं गुजरात प्रांत के प्रभारी श्री मधुसूदन सीकरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस दौरान प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत जिला इकाई का गठन किया गया। इस इकाई में श्री सुशील अग्रवाल (अध्यक्ष), श्री हेमंत गर्ग (महामंत्री), श्री राकेश अग्रवाल (कोषाध्यक्ष) व श्री महेंद्र जैन को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोकुल बजाज ने गुजरात प्रांत के प्रांतीय महामंत्री के रूप में श्री विजय मित्तल के नाम की घोषणा की। सभी नियुक्त पदाधिकारियों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकारिया ने शपथ दिलाते हुए शुभकामनाएँ दीं। श्री गोकुल बजाज ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे पूर्ण आशा है कि शीघ्र ही गुजरात में सम्मेलन का अधिक विस्तार होगा। हमारा प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक समाजबंधुओं को सम्मेलन से जोड़ा जाए, जिसके लिए सभी को अपने स्तर पर कोशिश करनी होगी। श्री सीकरिया ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम सम्मेलन के इतिहास एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी तथा आशा जताई कि गुजरात प्रांत शीघ्र ही सफलता के नए आयाम स्थापित करने में सफल होगा। उन्होंने कहा कि गुजरात में सम्मेलन के विस्तार की अपार संभावनाएँ हैं एवं जिस प्रकार देश के अन्य राज्यों में सम्मेलन सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है, गुजरात प्रांत भी उसी सक्रियता के साथ आगे बढ़ेगा। सम्मेलन का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना है, जिससे समाज में एकता बनी रहे। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल ने आश्वासन दिया कि मैं पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करूंगा। श्री अग्रवाल ने अपने पहले कार्यक्रम के रूप में जन्माष्ट मी के दिन गार्यो को चारा प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही सम्मेलन से अधिकाधिक समाज-बंधुओं को जोड़ने के कार्य को प्राथमिकता देने का निश्चय किया। गुजरात प्रांत के अध्यक्ष श्री बजाज ने मुख्य अतिथि श्री सीकरिया का आभार जताया।

शाखा समाचार
नई शाखा का स्वागत

कानपुर महिला शाखा का गठन

उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान की अध्यक्षता में हुई बैठक में मारवाड़ी महिला सम्मेलन की कानपुर शाखा का गठन हुआ। श्रीमती आशा केडिया को महिला सम्मेलन की कानपुर शाखा के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। महिला सम्मेलन, कानपुर के द्वारा एमबीआर ग्रैंड होटल, साकेत नगर में तीज महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साह के साथ भागीदारी की। क्वीन का ताज सुश्री मोनिका सुरेखा के सर पर सजा। विभिन्न प्रकार के खेल हुए, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार भी जीते। तंबोला गेम भी खेला गया। महिला अध्यक्ष श्रीमती आशा केडिया ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम होने चाहिए, जिससे हमारी संस्कृति को बढ़ावा मिले। उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान की उपस्थिति एवं उद्बोधन से कार्यक्रम को गरिमा प्राप्त हुई। श्री तुलस्यान ने कहा कि आज के दौर में अपनी संस्कृति को बचाकर रखना और आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति से अवगत करवाना आवश्यक है। समाज के लोग आपस में मिलें और इन विषयों पर विचार-विमर्श करें। कानपुर के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि आगे भी हम ऐसे कार्यक्रम करते रहेंगे। महामंत्री श्री प्रदीप केडिया ने बताया की बहुत से ऐसे कार्यक्रम हमारे समाज में नहीं होते हैं जो हमारी संस्कृति का हिस्सा हैं, उसे भी हम बढ़ावा देंगे। इस अवसर पर श्रीमती मोनिका तुलस्यान, श्रीमती साधना, श्रीमती दीप्ति महेश्वरी, श्रीमती आंचल अग्रवाल, श्रीमती शीला तुलस्यान, श्रीमती मंजु पोद्दार, श्री प्रेम सराफ उपस्थित थे।

सतना शाखा का गठन

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री विजय कुमार सकलेचा ने सतना के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों सहित २७ सदस्यों को शपथ दिलाई। सतना शाखा के नए अध्यक्ष श्री लक्ष्मी चंद खेमका ने सचिव श्रीमती मधु काशिरामका एवं कोषाध्यक्ष श्री विजय मुरारका को मनोनीत किया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार सकलेचा, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य श्री कमलेश नाहटा, प्रदेश महामंत्री श्री श्याम सुन्दर माहेश्वरी द्वारा सभी पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया। सतना के सदस्यों द्वारा जबलपुर से पधारे प्रांतीय पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष श्री सकलेचा जी ने अपने उद्बोधन में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं प्रदेश सम्मेलन की योजनाओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी, साथ ही सदस्य संख्या बढ़ाने का तरीका बताया। श्री नाहटा जी ने अपने उद्बोधन में सदस्यों को सम्मेलन की कार्य प्रणाली और त्यौहार और अन्य कार्यक्रम को निरंतर आयोजित करते रहने की सलाह दी। महामंत्री श्री श्याम सुन्दर माहेश्वरी ने भी सभा को संबोधन किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्ति की घोषणा की गई।

बाढ़ शाखा का पुनर्गठन

२८ अगस्त को संगठन यात्रा के क्रम में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल जी एवं वरीय उपाध्यक्ष श्री अमर दहलान जी ने बाढ़ शाखा का दौरा कर शाखा को पुनर्जीवित किया। इस क्रम में समाज-बंधुओ की उपस्थिति में श्री राजकुमार भूतिया को अध्यक्ष एवं श्री सज्जन केडिया को मंत्री निर्वाचित किया गया। साथ ही बैठक के दौरान ५ नए आजीवन सदस्यों को भी सम्मेलन परिवार का सदस्य बनाया गया।

विजयवाड़ा शाखा का गठन

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल, सचिव श्री पोड़ेश्वर पुरोहित, पूर्व उपाध्यक्ष श्री डी. शंकरलाल शर्मा, विशाखापट्टनम शाखा के अध्यक्ष श्री बिजेन्द्र कुमार गुप्ता, श्रीकाकुलम शाखा के अध्यक्ष श्री बाबूलाल पोद्दार ९ सितंबर को विजयवाड़ा पहुँचकर प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल के साथ स्थानीय बंधुगणों से विजयवाड़ा में शाखा गठन की बातचीत की और नए सदस्य बनाते हुए टीम गठित की। १० सितंबर को शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ।

सर्वश्री चांदमल अग्रवाल, पोड़ेश्वर पुरोहित, बिजेन्द्र कुमार गुप्ता, शंकरलाल शर्मा, बाबूलाल पोद्दार को मंच पर आसीन करवाते हुए सबका स्वागत किया गया। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने संबोधित करते हुए 'अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन' के इतिहास, उद्देश्य और सम्मेलन के द्वारा की गई गतिविधियों से उपस्थित लोगों को अवगत करवाया और कहा कि हमने श्रीकाकुलम और विशाखापट्टनम शाखा का शुभारंभ करवा लिया है और आज विजयवाड़ा शाखा का शुभारंभ करने जा रहे हैं। वर्तमान में विजयवाड़ा शाखा में ३८ सदस्य हैं। सदस्यता बढ़ाने पर लगातार कार्य हो रहा है।

श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि विजयवाड़ा मारवाड़ी सम्मेलन की टीम के अध्यक्ष श्री सुभाष गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, श्री गोपाल शर्मा, श्री रतनलाल चौधरी, उपसचिव श्री मिश्रीमल राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष श्री रमेशचंद अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य सर्वश्री आजाराम देवासी,

श्यामसुंदर संघवी और ताराचंद माली को मंच पर आसीन करवाकर समाज से परिचय करवाया। श्री चांदमल अग्रवाल ने विजयवाड़ा मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री सुभाष गुप्ता को पारंपरिक पगड़ी पहनाई।

सम्मेलन के सदस्य स्वर्गीय बिट्ठल प्रसाद भट्टड़ को श्रद्धांजलि देते हुए एक मिनट का मौन रखा गया। सर्वश्री पुरुषोत्तम जाजू, गुप्ता महेश कुमार, अग्रवाल रामबाबू, अग्रवाल मनोज कुमार का स्वागत एवं सम्मान प्रादेशिक शाखा द्वारा किया गया। श्री चांदमल अग्रवाल ने सभा में पधारे सभी बंधुगणों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज' है।

शाखा समाचार

गुवाहाटी, पूर्वोत्तर

खेल उत्सव संपन्न

१६ अगस्त को नेहरू स्टेडियम में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाट ी शाखा द्वारा स्व. दीनदयाल सिंघानिया की स्मृति में दो दिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। उपाध्यक्ष श्री प्रदीप भुवालका ने इसका संचालन किया। खेल उत्सव के संयोजक श्री राज शेखर अग्रवाल, सचिव श्री अशोक सेठिया, श्री अध्यक्ष शंकर बिड़ला, प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री रमेश चांडक, मुख्य अतिथि श्री अजय सिंघानिया, विशिष्ट अतिथि असम सरकार के खेलकूद के निदेशक श्री प्रदीप निमंग मौजूद थे। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन संयोजक श्री प्रवीण डागा ने बताया कि प्रतियोगिता में टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज एवं आर्म रेसलिंग में १७० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजन को सफल बनाने में सह सचिव श्री गौतम शर्मा, श्री संजीत धूत, प्रचार मंत्री सर्वश्री नरेंद्र सोनी, सुरेंद्र लड्ढा, प्रदीप पाटनी, विनद कुमार जिंदल, प्रभास अग्रवाल, विकास अग्रवाल, राहुल लोहिया, मनोज लुंडिया, साहिल भडेच आदि सदस्यों का सहयोग रहा। धन्यवाद ज्ञापन सचिव श्री सेठिया के द्वारा किया गया।

गुवाहाटी शाखा ने स्कूल को दिए पंखे

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा ने शिक्षक दिवस का आयोजन रूपनगर एमई स्कूल में किया। अध्यक्ष श्री शंकर बिड़ला ने बताया कि इस अवसर पर स्कूल की जरूरत के मुतबिक १२ सीलिंग फैन संस्था के वरिष्ठ सलाहकार श्री पोतराम केडिया के सौजन्य से उपलब्ध करवाया गया है। उपस्थित शिक्षकों ने भी अपने भावनाओं के माध्य से सम्मेलन के प्रति प्रत्येक वर्ष उनके द्वारा किए जाने वाले सहयोग के लिए धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रांतीय महामंत्री श्री विनोद लोहिया, सलाहकार श्री रमेश पारीक, संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री विकास जैन, श्री विनोद कुमार जिंदल, श्री सुरेंद्र लड्ढा, श्री पवन साबु, श्री गौरव सिवोटिया, श्री प्रदीप पाटनी, श्री अभिषेक केजरीवाल उपस्थित रहे। प्रचार मंत्री श्री नरेंद्र सोनी ने बताया कि धन्यवाद ज्ञापन सचिव श्री अशोक सेठिया ने दिया।

शाखा समाचार

साकची, झारखंड

'समाज के सितारे' कार्यक्रम संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन, साकची शाखा द्वारा १० सितंबर को महालक्ष्मी मंदिर, ठाकुरबाड़ी रोड, साकची में 'समाज के सितारे' कार्यक्रम संपन्न। इस कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में जो बच्चे ९० प्रतिशत से ऊपर मार्क्स लाए और मई २०२३ में सी.ए. की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए समाज के बच्चों 'समाज के सितारे' की उपाधि देकर उन्हें सम्मानित किया गया, जिससे वे भविष्य में और ज्यादा कामयावी हासिल करने के लिए उत्साहित हों।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जमशेदपुर क्षेत्र में 'विकास पुरुष' के रूप में विख्यात और समाज-बंधु, झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्री माननीय श्री बन्ना गुप्ता जी ने कार्यक्रम में बच्चों का उत्साहबर्धन किया। जिला शि७ा गया इसके लिये शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती निर्मला बरेलिया ने भी कार्यक्रम में आकर बच्चों का उत्साहबर्धन किया। कार्यक्रम में ८४ बच्चें अपने माता-पिता, दोस्त, अभिभावकों के साथ आए थे। कार्यक्रम में लगभग ५०० लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर इसे सफल बनाया। कार्यक्रम के बाद सभी ने सहभोज का आनंद उठाया।

बंगाईगांव, पूर्वोत्तर

सभी सहृदय साथियों को आभार!

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से एक अपील की गई कि डिब्रूगढ़ के पास रोड एक्सीडेंट में नन्हा बालक नमन घायल हो गया है। उसके ब्रेन के ऑपरेशन के लिए मोटी रकम की आवश्यकता है। बंगाईगांव शाखा अध्यक्ष ने उस अपील को अपने ग्रुप में प्रेषित किया। तत्पश्चात स्वतः संज्ञान लेते हुए बंगाईगांव शाखा के दयावान सदस्यों द्वारा मुक्त हस्त सहयोग से कुल ४० हजार २०० रुपया एकत्र हुआ। सदस्यों ने वह राशि खुद ही शाखा में पहुँचा दी, जिसे प्रांतीय कार्यालय के बैंक खाते में जमा करवा दिया गया। बंगाईगांव शाखा के सहृदय सदस्यों के प्रति आभार! एक नन्हीं सी जान को बचाने में सदस्यों का ये संकल्प मारवाड़ी समाज की एकजुटता को दर्शाता है। मारवाड़ी समाज आपसी भाईचारा अक्षुण्ण रखते हुए कठिन परिस्थितियों में एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं, जिसका जीता-जागता उदाहरण यह घटना है। साथ में यह भी अनुरोध है कि यदि कोई सदस्य, चि. नमन के इलाज के लिए सहयोग देना चाहें तो ग्रुप में सूचित करे। आप द्वारा प्रदत्त राशि सहयोग हेतु प्रांतीय मुख्यालय को भेज दिया जाएगा।

मारवाड़ी सम्मेलन, बंगाईगांव शाखा

शाखा समाचार

बलांगीर, उत्कल

प्रखंड के मंडलीय सभा की बैठक संपन्न

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बलांगीर प्रखंड के मंडलीय सभा की बैठक बलांगीर मारवाड़ी सेवा सदन में आयोजित हुई। सभा में प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोबिंद अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री नकुल अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री महेंद्र अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री सुभाष अग्रवाल, बलांगीर शाखा के अध्यक्ष श्री मनोज जैन, प्रखंड सचिव श्री प्रकाश गोयल, शाखा सचिव श्री रवि कुमार अग्रवाल मंचासिन थे। सभा में प्रखंड के ८ शाखाओं के ६० से अधिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

भागलपुर, बिहार

रक्तदान शिविर संपन्न

किसी जरूरतमंद को खून देना और उससे जिंदगी बचाना। इससे पुण्य का काम क्या हो सकता है। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के भागलपुर नगर शाखा ने यहां के देवीबाबू धर्मशाला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें बिहार स्वास्थ्य समिति ने रक्त कलेक्शन में पूरा योगदान दिया। करीबन पचास से ज्यादा रक्तवीरों ने रक्तदान किया। पुरुष और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खुशी-खुशी अपने रक्त का दान दिया। शिविर में नगर अध्यक्ष श्री शिवकुमार अग्रवाल, महासचिव श्री अनिल खेतान, सर्वश्री रामगोपाल पोद्दार, रमण साह, ओमप्रकाश कानोडिया, विनीत बुधिया, संजय साह, प्रो. शिवकुमार जिलोका, वार्ड पार्षद अश्वनी जोशी, जानी संथलिया, अनिल कडेल, मनोज चूड़ीवाला, विनय डोकानिया, लक्ष्मीनारायण डोकानिया, श्रवण कुमार बाजोरिया, नरोत्तम शर्मा, अश्वनी कठोर, प्रादेशिक कार्यकारिणी के सदस्य गिरधारी लाल जोशी वगैरह ने शिरकत की। मारवाड़ी सम्मेलन सामाजिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहा है। और समाज सेवा ही अपना कर्तव्य और धर्म मानता है।

उपलब्धि

औद्योगिक क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए श्री समीर कुमार महासेठ, उद्योग मंत्री, बिहार सरकार के द्वारा "Global Bihar Entrepreneur Award 2023" श्री महेश जालान को प्रदान किया गया।

श्री सुभाष कुमार पटवारी, बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिष्ठित चुनाव में अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

नालंदा के कल्याण बीघा में आयोजित ३३वीं राज्य स्तरीय पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में समस्तीपुर जिला के हसनपुर निवासी श्री श्याम अग्रवाल की पुत्री सुश्री तन्वी अग्रवाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

इसरो वैज्ञानिक सुश्री तान्या माहेश्वरी का चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण में योगदान है। तान्या फरीदाबाद के श्री देवेंद्र चांडक जी की भतीजी है।

सीकर की बेटी प्रियन ने देशभर में राजस्थान ओर शेखावाटी का नाम रोशन किया है। सुश्री प्रियन ने मिस अर्थ इंडिया 2023 का खिताव अपने नाम किया है। यह खिताब जीतने वाली राजस्थान की वह पहली बेटी हैं।

बनहट्टी के विष्णुकांत भट्टड की सुपुत्री कुमारी प्रिया ने 30 अगस्त 2023 को बेंगलूरू में जज के पद को सुशोभित करते हुए शपथ ग्रहण किया।

श्री दिलीप सोंथालिया, हजारीबाग की सुपुत्री डॉ. सोंथालिया को गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल द्वारा डॉक्टर की मानद उपाधि प्रदान की गई।

सुश्री अंकिता अग्रवाल को असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा पत्रकारिता और जनसंचार में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से सम्मानित किया है।

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री कमलेश कुमार नाहटा के नाती विकास बाफना ने तैराकी प्रतियोगिता में जबलपुर जिला स्तर पर ५० मीटर, १०० मीटर एवं २०० मीटर की प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सम्मेलन का साधारण अधिवेशन (१९३५)

(गतांक से आगे...)

इस संबंध में हमें सांप्रदायिकता तथा प्रांतीयता से सदैव दूर रहना चाहिए। देश की उन्नति में सांप्रदायिकता बहुत बड़ी बाधक सिद्ध हुई है और अब कुछ दिनों से प्रांतीयता कदा भी प्रादुर्भाव कहीं-कहीं हो रहा है, यह देश के लिए उत्तम नहीं है। देश की उन्नति राष्ट्रीय आधार पर ही हो सकती है। दूसरा कोई भी आधार संभव नहीं है। हमारा कर्तव्य है कि हम इस राष्ट्रीय ाधार को ही प्रोत्साहन दें; जिससे कि हम अपने ध्येय पर पहुँच सकें।

इस प्रांतीय भावना के कारण जहाँ-तहाँ हमारे समाज के संबंध में भी कुछ अप्रिय बातें प्रकाशित होती रहती हैं। इस संबंध में हमें इतना ही कहना है कि ऐसी बातों से देश का कोई हित-साधन नहीं होता। हमारे समाज ने देश के व्यापार की यथासंभव रक्षा की है और भविष्य में भी यथासंभव इसकी रक्षा करेगा। हमारे समाज के पास जो संपत्ति है उसका यथासंभव उपयोग दूसरों की सेवा के लिए भी इसने किया है। भारतवर्ष के स्थान-स्थान में धर्मशालाएँ, कुएँ, बावड़ी, अन्नक्षेत्र, सदावर्त इत्यादि-इत्यादि हमारे समाज के द्वारा स्थापित हैं जिनका उपयोग सर्वसाधारण के लिए ही होता है। देशी के बाढ़, भूकंप, दुर्भिक्ष इत्यादि विपत्तियों में भी समाज ने मुक्त हस्त से जनता-जनार्दन को सेवा की है। जब-जब सार्वजनिक संस्थाओं को द्रव्य की आवश्यकता हुई है तब-तब यथासंभव इसने सहायता दी है। देश का कोई भी ऐसा आंदोलन नहीं जिसमें इसने हाथ न बँटाया हो। अतएव बहुत-सी बातें जो इस समाज के संबंध में प्रकाशित होती रहती हैं उनमें से अधिकांश बिना वास्तविक स्थिति को जाने ही प्रकाशित होती है। परंतु यह भी हमारे लिए विचारणीय है कि जिस स्थान में हमलोग रहते हैं उस स्थान के अन्य निवासियों से हमें पारस्परिक सद्भाव रखना चाहिए। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए, उनकी समस्याओं को अपनी समस्या समझनी चाहिए और इस तरह का कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे कि पारस्परिक मनोमालिन्य की वृद्धि हो।

प्रत्येक भारतीय का एकमात्र यही लक्ष्य हो सकता है कि वह अपने कार्य से अपनी मातृभूमि की सेवा करे। ईश्वर से हमारी यही प्रार्थना है कि आप जो यहाँ एकत्रित हुए हैं इस तरह का मार्ग निर्धारित करें जिससे कि हम मातृभूमि की सेवा करने के लिए उपयुक्त हों।

अंत में एक और आवश्यक विषय की ओर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। वह है हमारी शारीरिक स्वास्थ्योन्नति। देश और समाज के हित के लिए हमारा स्वस्थ रहना नितांत आवश्यक है। इसके लिए सर्वत्र व्यायाम संस्थाओं का संगठित आयोजन होना चाहिए। हर्ष का विषय है कि हमारे उदीयमान युवकों में अपने स्वास्थ्य के लिए व्यायाम के प्रति अब सद्भावना उत्पन्न हो रही है; किंतु जाति की विशालता की ओर ध्यान देने से जो कुछ इस संबंध में हुआ है या हो रहा है वह पर्याप्त नहीं। इसके लिए व्यापक रूप से और अधिकाधिक प्रयास करना होगा। यह कार्य भी हमारे सबसे बड़े सामाजिक हितों के समान ही है।

मैंने आपका बहुत अधिक समय लिया है जिसके लिए मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ। थोड़े से प्रश्नों की ओर मैंने आपका ध्यान आकर्षित किया है। और भी कई विषय हैं जिन पर आप अवश्य विचार करेंगे। अंत में मैं अपनी त्रुटियों के लिए आपसे फिर एक बार क्षमा प्रार्थना करता हुआ सभापति महोदय से अनुरोध करूँगा कि वे अपने सद्विचारों से हमलोगों को उत्साहित करें।

सभापति का भाषण

प्रिय सज्जनो!

आज के इस सम्मेलन का सभापतित्व-भार मेरे ऊपर सौंप कर आपने जो मेरा सम्मान किया है उसके लिए मैं हृदय से आपका कृतज्ञ हूँ। किंतु, साथ ही इसके, मैं यह भी अनुभव कर रहा हूँ कि इस गुरुतर भार को सम्यक में बहन करने की यथेष्टक्षमता मुझमें नहीं है और इस महान उत्तरदायित्व का यथाशक्ति पालन करने में मैं तभी समर्थ हो सकता हूँ जब कि मुझे आपलोगों का हार्दिक सहयोग प्राप्त हो। अपनी त्रुटियों से अभिज्ञ होते हुए भी जो मैंने इस पद को ग्रहण किया है इसका कारण है मेरी सेवा-भावना और इस भावना द्वारा यदि मैं आपलोगों के सहयोग से समाजोत्थान के कार्य में कुछ भी भाग ले सका तो इसे ही मैं अपने को कृतकृत्य समझूंगा।

सज्जनों, जिस महान एवं पवित्र उद्देश्य को लेकर हमलोग आज यहाँ उपस्थित हुएँ हैं वह उद्देश्य है संपूर्ण मारवाड़ी समाज का सामूहिक संगठन, ऐसा संगठन जो जाति में नवजीवन का संचार करनेवाला हो, उसके कार्यकर्ताओं में उत्साह, सजीवता एवं कर्मोद्यम का भाव भरनेवाला हो और जिसके द्वारा समाज की विभिन्न शाखाएं संघबद्ध होकर अपने जातीय हित और उससे भी बृहत्तर संपूर्ण देश के स्वार्थ से संबंध रखने वाले समस्त प्रश्नों पर विचार करे और अपना कर्तव्य स्थिर करे। अभी तक समाज को भिन्न-भिन्न शाखाओं का जो संगठन हुआ है, शंखलित न होने के कारण उसके द्वारा हम देश के सार्वजनिक जीवन पर अपना प्रभाव डालने में तथा उसके सभी क्षेत्रों में अन्यान्य समाजों के साथ अपनी सत्ता स्थापित करने में समर्थ नहीं हुए हैं। इस प्रकार के संगठन की आवश्यकता जो हम इस समय विशेष रूप से अनुभव कर रहे हैं, इसका कारण है देश की परिस्थिति में परिवर्तन। देश के राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक सभी क्षेत्रों में बड़ी तेजी के साथ परिवर्तन हो रहे हैं। नूतन भावधाराओं का प्रवाह बड़े वेग से हमारे जीवन को उद्धोलित कर रहा है। इन भावधाराओं के साथ लघुतृण की तरह न तो बह जाने में ही बुद्धिमानी है और न इनका व्यर्थ प्रतिरोध करने, इनकी उपेक्षा करने अथवा घर में बंद रहकर इनसे मुख मोड़ लेने में ही बुद्धिमानी है। नूतन विचारों, नूतन भावधाराओं एवं परिवर्तनों से भय करना दुर्बल-चित्त एवं आत्मविश्वास के अभाव का द्योतक है। बुद्धिमानी इस बात में है कि हम परिवर्तनों को अपनी परिवर्त्तित परिस्थिति के अनुकूल बना कर उन्हें इस प्रकार अपना लें जिससे हमारी जातीय विशेषता की, हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की छाप उन पर अंकित हो जाय और वे सर्वथा हमारी संस्कृति के अनुरूप बन जाएं। जीवित एवं सबल जाति का यह लक्षण होता है कि वह आवस्यक नूतन विचारों एवं भावों को अपनाकर, अपनी जातीय विशेषता से ओत-प्रोत करके उन्हें इस प्रकार अपने अनुकूल बना लेती है जिससे उसमें परायापन कुछ भी नहीं रह जाता। अतएव हमें भी परिवर्तन से, तन-मन, विचारों से भय न करके शांतचित्त से, गंभीर भाव से, व्यापक दृष्टिकोण से, उसकी समीक्षा करनी चाहिए और तब जो आवश्यक लाभदायक एवं अनुकूल जंचें उन्हें नि:संकोच भाव से ग्रहण करना चाहिए।

(साभार : अ.भा.मा. सम्मेलन के अधिवेशन के अवसर पर प्रसारित स्वागत समिति के कार्य विवरण से)

आगे जारी...

आलेख

राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता में बाधा कहाँ

– प्रदीप जीवराजका

हर राजस्थानी व्यक्ति की यह हार्दिक अभिलाषा है कि भारत की अन्य भाषाओं की तर्ज पर उसकी अपनी मातृभाषा को भी राजकीय मान्यता मिले। भारतवर्ष में यह मान्यता हमारी सर्वोपरि पुस्तक संविधान में स्वीकृत होने से ही प्राप्त हो सकती है। संविधान की आठवीं अनुसूची में बाईस भाषाओं को स्वीकृति दी गई है। गौरतलब है कि केंद्रीय साहित्य अकादमी के द्वारा भारत की जिन तेईस भाषाओं के साहित्य को स्वतंत्र भाषा के रूप में चिह्नित, समायोजित और स्वीकृत किया गया है उनमें से बाईस को संविधान की आठवीं अनुसूची मान्यता प्रदान करती है। एकमात्र राजस्थानी भाषा ही इससे बाहर है। कई महत्वपूर्ण संगठन लगातार इस अन्याय का प्रतिकार करते हुए अपने हक की आवाज उठाते रहे हैं पर अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है। आश्वासन मिले हैं, हक अभी भी दूर है।

आइए देखते हैं इस काम में बाँधा कहाँ है। क्यों करोड़ों लोगों की वाजिब माँग सरकार के कानों तक नहीं पहुँच रही। दरअसल सिर्फ राजस्थानी नहीं, सरकार के पास और भी कई भाषाओं को मान्यता देने के प्रस्ताव लंबित हैं, जिनमें प्रमुख है – भोजपुरी, अंगिका, बुंदेली, मगही, मालवी, छत्तीसगढ़ी, मिजो, इत्यादि। इनमें भोजपुरी का दावा बहुत प्रबल है। भोजपुर क्षेत्र से निर्वाचित होने वाले सांसदों ने समय-समय पर अपनी आवाज भी मुखर की है। अन्य भाषाओं के दावे भी काफी सशक्त हैं और केंद्रीय सरकार जानती है कि किसी एक भाषा को मान्यता देने से अन्य सभी का दबाव भी हावी हो जाएगा। इसके अलावा जैसे ही भाषाओं को संवैधानिक मान्यता मिल जाएगी, उनसे जुड़े अन्य प्रशासनिक कार्य भी करने पड़ेंगे। उस भाषा में परीक्षा लेने से लेकर अन्य सभी भाषिक जिम्मेदारियों का निर्वहन भी आवश्यक हो जाएगा। सांसद अर्जुन राम मेघवाल जी ने राजस्थानी में शपथ ग्रहण की माँग की थी जिसे इस आधार पर स्वीकार नहीं किया गया था कि राजस्थानी संविधान में स्वीकृत भाषा नहीं है। कोई भी सरकार येन-केन प्रकारेण अपनी जिम्मेदारियों को कम करने का ही प्रयास करती हैं। सरकारी उदासीनता का आलम यह है कि लोकसभा में इस बारे में एकमात्र विधेयक बीकानेर सांसद करणी सिंह ने प्रस्तुत किया था, जिस पर बहस भी हुई थी पर सरकार के समर्थन के आभाव में वह विधेयक गिर गया था। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार द्वारा २००३ में विधानसभा से पारित संकल्प भी केंद्र के पास अब तक लंबित है। २००६ में लोकसभा की एक कमिटी के द्वारा तैयार एक प्रस्ताव के आधार पर राजस्थानी को मान्यता देने का एक बिल भी तैयार किया गया था, पर वह कभी सदन में पेश ही नहीं किया गया। भाषा को लेकर राजनीति भारतवर्ष में हमेशा प्रबल रही है।

राजस्थानी और भोजपुरी को संविधान की स्वीकृत भाषा बनाने के विरोध में हिंदी के कुछ विद्वानों का तर्क रहा है कि इन भाषाओं को अलग से स्वीकृति मिलने से हिंदी का प्रभाव कम हो जाएगा, क्योंकि हिंदी को मातृभाषा बताने वाले लोगों की संख्या लगभग दस करोड़ कम हो जाएगी और अंग्रेजी से लड़ने की इसकी क्षमता पर असर पड़ेगा। इनका यह भी तर्क है कि अन्य सभी भाषाओं को भी अगर स्वीकृति मिल गई तो हिंदी लगभग हाशिये पर आ जाएगी और हिंदीतर राज्य तो हिंदी को मान्यता देना ही बंद कर देंगे। इनके अनुसार राजस्थानी और भोजपुरी साहित्य का पाठ्यक्रम अत्यंत सीमित होगा और अधिकांश राज्य में हिंदी के स्थान पर इनकी शिक्षा सुलभ करवाना भी कठिन रहेगा। राजस्थानी और भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की अनुसार माँग हिंदी की विखंडनवादी प्रवृति को बढ़ावा देती है तथा छोटी अस्मिताओं का उभार बड़ी बहन हिंदी को पदच्युत करने का षड़यंत्र है। ये विद्वान राजस्थानी को स्वतंत्र भाषा भी स्वीकार नहीं करते, बल्कि उसे हिंदी की एक बोली ही बताते हैं जो सर्वथा गलत है। राजस्थानी भाषा का अपना विकास क्रम रहा है, अपना साहित्य है, और इतिहास भी। इसे कभी भी हिंदी की एक बोली बताकर भाषाई अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता, जो तर्क दिए जा रहे हैं वे भ्रामक हैं।

हमें यहाँ यह याद रखने की जरूरत है कि भारत में राज्यों के पुनर्गठन का मुख्य आधार भाषा ही रही है। राजस्थान राज्य एक विशाल और वैभवशाली परंपरा का प्रांत है। उसकी भाषिक मर्यादा का और अधिक अवमर्दन नहीं होना चाहिए। १९६१ तक जनगणना के आकड़ों में राजस्थानी को स्वतंत्र भाषा के रूप में रखा गया था पर उसके बाद से इसे हिंदी की उपभाषा मान लिया गया। इसके खिलाफ कोई सशक्त आवाज नहीं उठाई जा सकी। अब इसे बदलने की जरूरत है। यदि यह भाषिक संग्राम हिंदी के ही साथ है, तो भी यह युद्ध तो करना ही पड़ेगा। मातृभाषा को मर्यादा दिलाने की जिम्मेदारी हम सबकी है और हम सब मिलकर इसे जरूर निभाएंगे। राजस्थानी के प्रति सामाजिक उदासीनता को भी दूर करना पड़ेगा। सम्मिलित आवाज ही सत्ता को इस दिशा में वास्तविक कार्य करने के लिए बाध्य कर सकती है।

कविता

चन्द्रयान

– कमल बैद
(आंध्र प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य)

चन्द्रयान चन्दा पर उतरे गर्व हमें हम हिन्दुस्तानी
दुश्मन तेरा सर झुक जाए याद करोगे अपनी नानी
तुम क्या जानो भारत रत्नों को तुम क्या जानो कुर्बानी
पग-पग पर विज्ञान यहाँ पर अमृत से भी मीठा पानी
इसरो देश का प्राण शान है जो टकराए मुँह की खानी
वैज्ञानिक है यहाँ जबर्दस्त तुमने गरिमा ना पहचानी
नहीं थकेंगे नहीं रुकेंगे भारत भू की यही कहानी
सारी दुनिया देखेगी वीर सपूतों की बलिदानी
भारत क्या कर लेगा देखें छोड़ो अपनी नादानी
आज तिरंगा फहराएगा चन्दा मामा ने है मानी।

साभार : दैनिक विश्वमित्र

सत्र २०२३-२५ के लिए लोगो

सभी प्रादेशिक संगठन एवं शाखा संगठन से उपर्युक्त दिए गए लोगो का उपयोग सत्र २०२३-२५ के लिए करने का अनुरोध है। इसमें दूसरा लोगो इस सत्र के नारा 'आपणो समाज – एक समाज – श्रेष्ठ समाज' का है। नए 'लोगो' में यह दर्शाया गया है कि समाज के विभिन्न घटक समन्वय एवं भाईचारा की भावना के साथ हाथ मिलाकर एकता का संदेश दे रहे हैं एवं समाज को श्रेष्ठता प्रदान कर रहे हैं।

समय का सदुपयोग – सफलता का मूलमंत्र

– डॉ. दिनेश कुमार जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

आज से तीन-चार सदियों पहले राजस्थान, हरियाणा और मालवा क्षेत्र से निकलकर हमारे पूर्वजों ने पूरे भारत और विश्व के सुदूर स्थानों पर सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी कड़ी मेहनत, मजबूत इरादों, जोखिम उठाने की प्रवृति और दृढ़ निश्चय के बल पर व्यापारिक सफलता प्राप्त की। किंतु, क्या हमारा वर्तमान युवा वर्ग अपने इन पारंपरिक सद्गुणों के उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है? अगर नहीं, तो यह मंथन का विषय हैं कि ऐसे कौन से कारण हैं जो हमारे सफलता-मार्ग में बाधाएँ पैदा कर रहे हैं और किस प्रकार हम प्रभावी रूप से उनका सामना कर सकते हैं। यह किसी घर या व्यक्ति-विशेष की बात नहीं है, बल्कि एक ज्वलंत सामाजिक प्रश्न है और हमारा कर्त्तव्य है कि इस विषय पर विचार कर इसका समाधान पाने का हर संभव प्रयास करें!

मेरे अनुभव और ज्ञान के आधार पर, मेरा यह स्पष्ट मत है कि चाहे व्यवसाय हो, शिक्षा, सेवा या जीवन का कोई अन्य क्षेत्र, सफलता के जो मूल-स्तंभ हैं उनमें सबसे महत्वपूर्ण है: समय का सदुपयोग और नियोजन – चाहे आप किसी भी कार्यक्षेत्र में हों, अपने समय का सम्यक उपयोग एवं योजनाबद्ध रूप से नियोजन कर अपनी क्षमताओं में वृद्धि कर सकते हैं। यह निश्चित है कि समय-प्रबंधन सफलता के आपके प्रयासों में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक भूमिका निभाएगा।

> ***जिंदगी में सफलता प्राप्त करने के लिए समय के महत्व को समझना और इसका सदुपयोग करना अनिवार्य है।***
>
> ***किसी भी क्षेत्र में उच्चतम शिखरों पर वही पहुँचे जिन्होंने समय की महता को समझा और इसका सुप्रबंधन किया।***
>
> ***समय का सदुपयोग सुनिश्चित करने के लिए समय का नियोजन करना जरूरी है।***

प्रकृति ने हम सबको अलग-अलग स्थितियाँ दी हैं – लंबा-नाटा, गोरा-काला आदि। किंतु एक चीज प्रकृति ने बिना भेदभाव के दिया – वह है समय। अब यह व्यक्ति-विशेष पर निर्भर करता है कि वह अपने समय का उपयोग किस प्रकार करता है।

समय अनादि-अनंत और निरंतर गतिशील है, समुद्र की लहरों की तरह यह हमेशा चलायमान रहता है। बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता और अगर हमने अपने किसी सामयिक कर्तव्य का निवर्हन नहीं किया तो अफसोस के अलावा हमारे पास कोई विकल्प नहीं होता – **'फिर पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत।'** समय के महत्व एवं प्रबंधन के विषय पर निम्न बिंदुओं की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा।

दिनचर्या : अपनी दिनचर्या का पालन एक सफल जीवन के लिए अत्यावश्यक है। कब जागें, कब सोयें, कब काम का समय और कब आराम का, यह नियमित होना चाहिए। इससे आप समय का नियोजन कर पाएंगे और यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी लाभप्रद होगा।

लक्ष्य-निर्धारण एवं प्राथमिकता : अपने दैनिक (रूटीन), अल्पावधि लक्ष्य (शार्ट टर्म गोल्स) और दीर्घकालिक लक्ष्य (लांगटर्म गोल्स) निर्धारित कर लेने से समय-प्रबंधन सुविधापूर्वक किया जा सकता है। जो तत्काल कार्य करने हैं, उन्हें प्राथमिकता (प्रायोरिटी) देनी चाहिए।

आलस्य से बचें : एक आलसी व्यक्ति अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाता। कहा गया है – मनुष्यों के लिए आलस्य ही सबसे बड़ा शत्रु होता है। परिश्रम जैसा कोई मित्र नहीं होता, क्योंकि परिश्रमी कभी दुखी नहीं होता।

काम कभी न टालें : काम को टालना भी आलस्य का ही एक पहलू है। **'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में परलय होयगा, बहुरि करेगा कब।।'**

कार्यकुशलता : कौशल-विकास (स्किल डेवलपमेंट) के प्रति हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस प्रकार हम अपना काम कुशलतापूर्वक, कम समय में करते हुए उत्पादकता (प्रोडक्टिविटी) बढ़ाकर पूरा कर सकेंगे।

काम और सोच में संतुलन : सोचना जरूरी है, परंतु इसकी सीमा है। ज्यादा सोचने वाले दिवास्वप्न देखते रहते हैं। ज्यादा सोचने के बजाय हमें वही समय काम में लगाना चाहिए।

कुछ नया सीखें : अपने समय-नियोजन में कुछ समय नए चीजें सीखने/किताबें पढ़ने के लिए भी रखें। इससे जानकारी में तो वृद्धि होगी ही, साथ ही उबाऊ दैनिक लीक से हट कर कुछ रोचक आनंद भी प्राप्त होगा।

समय हमारा एक अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन है, अतः इसका भली-भाँति प्रबंधन अनिवार्य है। सौभाग्य से आज हमारे पास समय-प्रबंधन के लिए तकनीकों की कोई कमी नहीं है। हम नई तकनीकों यथा प्रशिक्षण, ज्ञान केंद्र, यूट्यूब आदि से सहयोग ले सकते हैं। हम अपना समय कहीं व्यर्थ तो नहीं कर रहे, इस विषय पर सचेत रहना जरूरी है। आज लोग अपने समय का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर देते हैं। यहाँ हम क्या, कितना समय देते हैं, इसका भी आंकलन रखना चाहिए। कुछ समय प्रेरणादायक या शिक्षाप्रद चीजें देखना बुरा नहीं है, लेकिन समय व्यर्थ करना ठीक नहीं है। हमें अपने हर घंटे, अपितु हर मिनट को व्यवस्थित रखने का प्रयास करना चाहिए। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में किसी व्यक्ति की सफलता और समृद्धि में समय प्रबंधन एक महत्वपूर्ण कारक है; समय के सदुपयोग और व्यक्ति की सफलता के बीच अन्योनाश्रय संबंध है।

अपने समय को नियोजित कर, अपने परंपरागत मारवाड़ी मूल्यों यथा कठोर परिश्रम, दृढ़ निश्चय आदि के साथ यदि हम अपने को कार्य/व्यवसाय में पूर्ण रूपेण समर्पित करते हैं, अपने आप को सक्षम बनाते हैं, तो हम निश्चित रूप से नई उँचाइयाँ प्राप्त करते हुए अपने पूर्वजों के गौरवशाली स्तर तक पहुँच सकते हैं। उनकी तरह ही मंदिर, धर्मशाला, शिक्षण-केंद्रों, चिकित्सालयों की स्थापना जैसे समाजहित के सत्कार्यों में योगदान कर सकते हैं। अपने रिश्तेदारों, मित्रों और समाज के प्रति भी जागरूक रहते हुए हम उनकी सफलता में भी सहयोग कर सकते हैं। कहा गया है कि अगर आप किसी दिन एक व्यक्ति के होंठों पर भी मुस्कान ला सके, तो आपका वह दिन सफल है। दूसरों के लिए किया गया प्रत्येक सत्कार्य उनकी सहायता तो करता ही है आपके हार्दिक संतोष और प्रसन्नता का भी कारण बनता है।

समाचार सार

असम के राज्यपाल को 'असम के मारवाड़ी जाति का इतिहास' पुस्तक भेंट की

डॉ. श्यामसुंदर हरलालका द्वारा रचित 'असम के मारवाड़ी जाति का इतिहास' पुस्तक महामहिम राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया को डॉ. श्यामसुंदर हरलालका, श्री रामप्रसाद शर्मा तथा श्री श्याम सुंदर भीमसरिया ने भेंट की। पुस्तक में दिए गए ऐतिहासिक तथ्यों पर विचार-विमर्श हुआ। महामहिम ने इस ग्रंथ को बहुत सराहा एवं समाज के लिए उपयोगी बताया।

श्री बागड़ोदिया पद्मश्री अवार्ड के लिए नामांकित

डिब्रूगढ़ के समाज की महान शख्शियत श्री देवी प्रसाद जी बागड़ोदिया को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन ने पद्मश्री अवार्ड के लिए नामांकित किया है। यह कार्य प्रांत के मंडल 'क' के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. महेश जैन के प्रयासों का फल है। श्री देवी प्रसाद बागड़ोदिया को प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा, प्रांतीय महामंत्री श्री बिनोद कुमार लोहिया ने अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की और उम्मीद जताई की उन्हें पद्मश्री मिले।

श्री मुकेश जैन का सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने २७ अगस्त को बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सभागार में बिहार राज्य सरकार के अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य मनोनीत होने पर बिहार प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन का शाल, पारंपरिक पगड़ी और ममेंटो देकर सम्मान किया।

समाचार सार

औद्योगिक पुरोधा सम्मान से सम्मानित हुए श्री जालान

सिडकुल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, उत्तराखंड द्वारा आयोजित 'औद्योगिक पुरोधाओं का सम्मान' समारोह में उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल लेफ्टि नेंट जनरल गुरमीत सिंह ने सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत कुमार जालान को शाल, दुपट्टा, ममेंटो और औद्योगिक पुरोधा सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया।

शाखा समाचार

बालेश्वर, उत्कल

मारवाड़ी समाज का परिचय सम्मेलन

ओड़िशा के बालेश्वर शहर में विवाह संबंध हेतु आशान्वित युवाओं/युवतियों का एक परिचय सम्मेलन होगा। परिचय सम्मेलन का आयोजन आगामी २४ दिसंबर २०२३ (रविवार) को ओड़िशा के बालेश्वर शहर में किया जाएगा। मारवाड़ी समाज के सभी वर्ग के सदस्य (कुंवारे, कुंवारी, विधवा, बिधुर, तलाकशुदा) इसमें भाग ले सकते हैं। परिचय सम्मेलन के लिए पंजीकरण करने का लिंक www.upmsbalasore.in है। पंजीकरण के लिए एक मोबाइल नंबर की आवश्यकता होती है, जिस पर स्वचालित ओटीपी जाता है, ओटीपी प्रविष्टकर पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी होती है। पंजीकरण के लिए ११००/- रुपया का शुल्क लिया जाएगा, जिसमें उम्मीदवार + 2 व्यक्तियों के लिए भोजन शामिल है, साथ ही सभी संभावित उम्मीदवारों की जानकारी वाली डायरी भी दी जाएगी।

श्रद्धांजलि!

श्री रामनिवास चोटिया के देवलोकगमन के दुखद समाचार से सम्मेलन परिवार मर्माहत है। दुख की इस घड़ी में सम्मेलन परिवार की संवेदनाएँ चोटिया परिवार के साथ है।

श्रद्धापूर्वक नमन!

स्वर्गीय रामनिवास चोटिया

28 YEARS OF EXCELLENCE & COMMITMENT
AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH
OUR CORE VALUES
PURE BROKING
PROFIT WITH PRINCIPLES
ETHICS
PROFIT
We aim to be known as India's most ethical investment consultant.
We only advise products that are in client's best interest.
We would ALWAYS chose principles over profit. ALWAYS.
We never take short cuts in any of our dealings.
UNBIASED ADVICE
To ensure the Un-Biasedness & Purity of our advice, We :
Never enter into any exclusive Tie Ups with Mutual Funds/ NBFC's/Insurance & other companies.
Never lend funds to safeguard our Investors from Over Leveraging.
Never run proprietary Trading book.
Never create and promote our own products.
RELATIONS OVER GENERATIONS
We have had the honour of serving multiple generations in families and we shall strive hard to continue this practice.
We offer non traditional product combinations which is customised across generations.
Our client considers AUM Parivaar as their own family due to our personalised connect and sincere bonding.
We always aim to exceed client expetations in every interaction and transaction.
EMPLOYEE CENTRICITY
We strive to become the preferred employer in our Industry by givng our team the opportunities to :
DONATE
Employees will get the opportunity to contribute to the society through AUM Social Initiatives.
EDUCATE
Employees shall get opportunities to learn and grow with compulsory annual days of learning.
REMUNERATE
Employees shall get opportunities to grow on the basis of performance, merit and loyalty.
FOR FURTHER QUERIES REACH US AT
aumcares@aumcap.com
New Delhi | Mumbai | Pune | Kolkata | Ranchi | Bangalore | Chennai
www.aumcap.com
9007632552
/ AumCap

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 27th September 2023
RNI Regd. No. 2866/1968

#LiveColors

COLORS BY RUPA

Bring on the Fun with
PRINTED
BRIEFS & TRUNKS

SOFT TOUCH | BREATHABLE FABRIC | QUICK ABSORPTION | ANTI-FUNGAL DYE | TAGLESS COMFORT | SUPER STRETCHABLE | ULTRA DURABLE | SNUG FIT

Colorful. Comfy. Cool. Presenting **Colors Printed Briefs & Trunks**, flaunt the shades of versatility coz there's a print for every mood & occasion. Combined with its superior support, as well as lasting freshness - you'll stay relaxed and stylish, all day!

Other available products

BAMBOO VEST | DERBY VEST | ATHLEFIT TEE & VEST | KING'S COLLECTION VEST | MINI BRIEF | FRONT OPEN MINI BRIEF | ATHLEFIT BRIEF | MICRO MINI TRUNK

MINI TRUNK | FRONT OPEN MINI TRUNK | ATHLEFIT F.O. MINI TRUNK | FRONT OPEN LONG TRUNK | BATH TOWEL | HAND TOWEL | FACE TOWEL | HANDKERCHIEF

SCAN & EXPLORE

VEST #201 #202 #203 #204 #205 #206 #207 #208 #209 #210 #211 #212 #213 #214 #215
BRIEF #106 #107 #109 #111 #116 #117 #118 #126
TRUNK #101 #102 #103 #104 #105 #108 #110 #112 #113 #114 #115 #119 #120 #121 #122 #123 #124 #125
TOWEL #301 #302 #303 #401 #402 #501 | HANDKERCHIEF #701 #702 #703 #704 #705

Pictures shown are for illustration purpose only. Actual product may vary due to product enhancement. #Product codes.

live colors

Toll Free No.: **1800 1235 001** | Visit your nearest store or shop @ **rupaonlinestore.com** | **livecolors.in** | amazon.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com